7 नवंबर 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



मतदान सम्पन्न, लगभग 65 .40 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध
आपकी आवाज
■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

पहले चरण की 121 सीटों पर हुई 64.46 % वोटिंग, जनता का फैसला ईवीएम में कैद



एजेंसी। पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव के तहत पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है। अब तक की 121 विधानसभा सीटों पर 64.46 फीसदी मतदान हुआ है। पहले चरण के मतदान में कुल 1314 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। पहले चरण की 102 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं, जबकि 19 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। इस चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए आयोग ने साधन उपलब्ध कराए थे। इनमें 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, 1 करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं, और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे।

राघोपुर विधानसभा

राघोपुर विधानसभा से पूर्व डिप्टी सीएम और लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव राजद से उम्मीदवार हैं। महागठबंधन ने इस बार तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। तेजस्वी ने अपने चुनावी करियर की शुरूआत इसी सीट से की थी। 2015 और 2020 में वह इस सीट से जीत चके हैं। भाजपा ने यहां से पिछली बार के उम्मीदवार सतीश कुमार को टिकट दिया है। सतीश कुमार ने 2010 में जदयू के टिकट पर तेजस्वी यादव की मां और राजद की उम्मीदवार राबड़ी देवी को हराया था। जनसुराज ने चंचल कुमार को यहां मैदान में उतारा है।

तारापुर विधानसभा

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस बार तारापुर से टिकट दिया गया है। इससे पहले वह परबत्ता सीट से राजद के टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। 2014 में वह राजद से अलग हो गए। 2020 में वह एमएलसी चुने गए। अब वह भाजपा के टिकट पर तारापुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला राजद के अरुण कुमार से है।

लखीसराय विधानसभा

लखीसराय से भाजपा के टिकट पर लगातार तीन बार जीतने वाले विजय कुमार सिन्हा एक बार फिर यहां से मैदान में हैं। बिहार के उपमुख्मंत्री सिन्हा फरवरी 2005 में हुए चुनाव में पहली बार लखीसराय से जीते थे। 2005 अक्तूबर में हुए चुनाव में उन्हें राजद के फुलेना सिंह से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन 2010 में उन्होंने अपनी सीट वापस ले ली। उनका मुकाबला कांग्रेस के अमरेष कुमार से है।

मोकामा विधानसभा

बाहुबली और जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। मोकामा हुए हत्याकांड के बाद इस सीट की चर्चा पूरे देश में है। इस हत्याकांड का आरोप अनंत सिंह पर लगा है। उन्हें चुनाव प्रचार के बीच में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उनके प्रचार की कमान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के हाथ में रही।

दानापुर विधानसभा

यहां से भाजपा ने पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को टिकट दिया है। रामकृपाल 2024 के लोकसभा चुनाव में पाटलीपुत्र सीट हार गए थे। उन्हें लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने शिकस्त दी थी। रामकृपाल यादव के सामने राजद ने रीत लाल राय को उतारा है। रीत लाल 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से जीते थे।

महुआ विधानसभा

लालू यादव के बडे. बेटे तेज प्रताप यादव पांच साल बाद फिर अपनी बनाई पार्टी के टिकट पर मैदान में हैं। राजद ने यहां से मुकेश कुमार रौशन और जनसुराज से इंद्रजीत प्रधान को टिकट दिया है।

छपरा विधानसभा

मशहूर भोजपुरी गायक और अभिनेता खेसारी लाल यादव की वजह से सारण जिले की छपरा सीट चर्चा में है। इस सीट से राजद ने महागठबंन की ओर से शत्रुघ्न यादव उर्फ खेसारी लाल यादव को मैदान में उतारा है। खेसारी लाल के खिलाफ भाजपा ने छोटी कुमारी और जनसुराज ने जयप्रकाश सिंह को टिकट दिया है। इस सीट पर कुल 10 उम्मीदवार मैदान में हैं।

अलीनगर विधानसभा

यह इस प्रमंडल की सबसे चर्चित सीटों में से एक है। भाजपा ने यहां से लोक गायिका मैथिली ठाकुर को मैदान में उतारा है। राजद ने यहां से विनोद मिश्रा को टिकट दिया है। जनसुराज ने यहां से बिप्लव कुमार चौधरी को मैदान में उतारा है।

रघुनाथपुर विधानसभा

सीवान जिले की इस सीट पर राजद ने बाहुबली शाहबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को टिकट दिया है। जदयू ने यहां से विकास कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वहीं जनसुराज की तरफ से राहुल कीर्ति मैदान में हैं। पिछले दो चुनावों से यहां राजद ने जीत दर्ज की है। दोनों बार यहां से राजद के हरिशंकर यादव को जीत मिली थी। पार्टी ने इस बार उनकी जगह ओसामा शहाब को टिकट दिया है।

गरखा विधानसभा

लोकजन शक्ति पार्टी (रामविलास) के सुप्रीमो चिराग पासवान के भांजे सीमांत मृणाल यहां से लोजपा (आर) के टिकट पर पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। पिछली बार इस सीट पर भाजपा के उम्मीदवार को हार मिली थी। इस बार एनडीए गठबंधन में भाजपा ने यह सीट लोजपा के लिए छोड़ दी। राजद ने यहां से मौजूदा विधायक सुरेंद्र राम को ही टिकट दिया है। जनसुराज ने मनोहर कुमार राम को उम्मीदवार बनाया है।

बांकीपुर विधानसभा

इस क्षेत्र से अन्य चर्चित उम्मीदवार नीतिन नबीन हैं, वह बांकीपुर सीट से चार बार विधायक रह चुके हैं। 2025 के लिए भी भाजपा ने इन्हें मैदान में उतारा है। 2020 के चुनाव में इन्होंने शत्रुघन सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी मतों के साथ हराया था। इस बार यहां से राजद ने रेखा कुमारी को टिकट दिया है। वहीं, जनसुराज ने वंदना कुमार को मैदान में उतारा है।

भोरे विधानसभा

यह सीट गोपालगंज जिले के अंदर आती है। इस सीट से वर्तमान विधायक सुनील कुमार बिहार सरकार में शिक्षा मंत्री हैं। उन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव में भाकपा माले के प्रत्याशी जितेंद्र पासवान को मात्र 462 वोटों के बेहद मामूली अंतर से हराकर जीत दर्ज की थी। इस बार भी सुनील कुमार को जदयू से टिकट मिला है। उधर, महागठबंधन की ओर से भाकपा माले के धनंजय मैदान में हैं। जनसुराज ने प्रीति किन्नर को टिकट दिया है।

बनियापुर विधानसभा

सारण जिले बनियापुर सीट पर भाजपा ने केदार नाथ सिंह को टिकट दिया है। केदारनाथ इससे पहले यहां से लगातार तीन बार राजद के टिकट पर जीत चुके हैं। केदारनाथ चुनाव से पहले पाला बदलकर राजद से भाजपा में आए हैं। राजद ने यहां से चांदनी देवी को मैदान में उतारा है। जनसुराज के टिकट पर श्रवण कुमार मैदान में हैं।

गायघाट विधानसभा

लोजपा सांसद वीणा देवी की बेटी कोमल सिंह मैदान में हैं। कोमल के पिता जदयू के एमएलसी हैं। जनसुराज ने अशोक कुमार सिंह और राजद ने निरंजन रॉय को मैदान में उतारा है।

सरायरंजन विधानसभा

इस सीट पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और मौजूदा मंत्री विजय चौधरी को ही टिकट मिला है। जदयू के विजय कुमार चौधरी को इस सीट पर लगातार तीन बार जीत मिली है। 2010 से लगातार वह इस सीट पर जीतते आ रहे हैं। इससे पहले इस सीट पर कोई उम्मीदवार लगातार तीन बार नहीं जीता था। वह नीतीश कैबिनेट में कई विभागों के मंत्री भी रह चुके हैं। राजद ने अरबिंद कुमार साहनी और जनसुराज ने साजन कुमार मिश्रा को टिकट दिया है।

गौड़ा बौराम विधानसभा

यह सीट इसलिए चर्चा में है क्योंकि महागठबंधन में राजद और वीआईपी के साथ होने बावजूद यहां दोनों के प्रत्याशी आमने-सामने रहे हैं। भाजपा ने सुजीत कुमार सिंह, वीआईपी ने संतोष सहनी और राजद ने अफजल अली को मैदान में उतारा है। राजद ने अफजल अली को नामंकन वापस करने की बात भी कही थी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया नहीं। इसके बाद पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। बाद में अंतिम समय में मुकेश सहनी की पार्टी ने अपने उम्मीदवार को राजद के अफजल अली को समर्थन दे दिया है। यानी तकनीकी आधार पर फिलहाल इस सीट पर राजद के अफजल अली का मुकाबला भाजपा के सुजीत कुमार सिंह से है।

कल्याणपुर विधानसभा

महेश्वर हजारी की वजह से यह हॉट सीटों में से एक है। जदयू के टिकट पर लड़ रहे महेश्वर हजारी समस्तीपुर से सांसद भी रह चुके हैं। भाकपा (माले) ने रंजीत राम को मैदान में उतारा है।

जाले विधानसभा

शहरी विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जीवेश कुमार मिश्रा की वजह से यह सीट चर्चा में है। उन्हें एक बार फिर भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस ने ऋषि मिश्रा को मैदान में उतारा है।

मधेपुरा विधानसभा

मधेपुरा सीट भी काफी चर्चित सीट है। यहां से जदयू ने कविता साहा को टिकट दिया है। कविता वर्तमान में मधेपुरा नगर परिषद की मुख्य पार्षद हैं। एक साल पहले ही जदयू में शामिल हुई हैं। यह पहली बार है जब मधेपुरा सीट से किसी बड़े राजनीतिक दल ने किसी गैर-यादव को प्रत्याशी बनाया है। पिछले तीन चुनीवों में यहां राजद के चंद्रशेखर यादव को जीत मिली है। इस भी राजद ने इन्हें उम्मीदवार बनाया है। जनसुराज की तरफ से शशि कुमार यादव मैदान में हैं।

सहरसा विधानसभा

यहां से महागठबंधन में शामिल इंडियन इंक्लुससिव पार्टी यानी आईआईपी के संस्थापक आईपी गुप्ता मैदान में हैं। आईआईपी को महागठबंधन में दो सीटें मिली हैं।

परबत्ता विधानसभा

1969 में सतीश प्रसाद सिंह परबत्ता सीट से ही चुनाव जीतकर राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। सम्राट चौधरी इसी सीट से राजद के टिकट पर जीतकर पहली बार 2000 और फिर 2010 में विधानसभा पहुंचे थे। 2004 से 2015 के बीच जदयू के रामानंद प्रसाद यादव यहां से चार बार विधायक रहे। 2020 में उनके बेटे संजीव कुमार को जदयू के टिकट पर इसी सीट पर जीत मिली थी। इस चुनाव से ऐन पहले संजीव कुमार ने जदयू का साथ छोड़ राजद का दामन थाम लिया। इस बार संजीव कुमार यहां से राजद उम्मीदवार हैं। वहीं, जदयू ने अपना गढ़ रही इस सीट को लोजपा के लिए छोड़ दिया है। लोजपा से बाबू लाल शौर्य को टिकट मिला है।

मुंगेर विधानसभा

यहां से भाजपा ने कुमार प्रणय को टिकट दिया है। पहले चरण में किस्मत आजमा रहे 1314 उम्मीदवारों में प्रणय सबसे अमीर हैं। कुमार प्रणय ने अपने शपथ पत्र में कुल 170 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। राजद ने यहां से अविनाश विद्यार्थी को और जनसुराज ने संजय कुमार सिंह को मैदान में उतारा है। हालांकि चुनाव से ऐन वक्त पर जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी संजय कुमार ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।



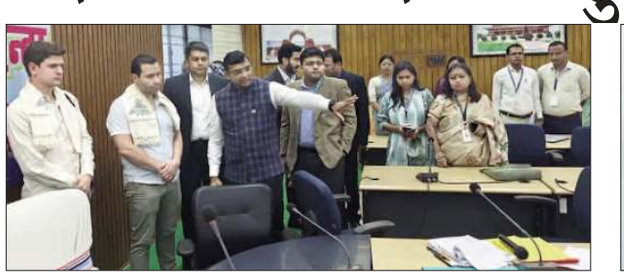


पहले चरण का मतदान देखने वाले देशों में फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड एवं कोलंबिया

बिहार में मतदान प्रक्रिया देखने पहुंचे 7 देशों के प्रतिनिधि

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा के पहले चरण का मतदान देखने के लिए सात देशों को 14 प्रतिनिधि बिहार के नालंदा जिले में पहुंच गए हैं। पहले चरण का मतदान देखने वाले देशों में फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड एवं कोलंबिया सहित सात देशों के 14 प्रतिभागी सम्मिलित हैं। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआइ) के अधिकारियों के साथ गुरुवार को पटना पहुंचे विदेशी प्रतिनिधियों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी





(सीईओ) कार्यालय की ओर से मतदान संपन्न कराने की तैयारियों से रूबरू हुए। विदेशी प्रतिनिधियों को सीईओ कार्यालय के अधिकारियों ने संपूर्ण तैयारियों से अगवत कराया। अब विभिन्न जिलों में जाकर मतदान देखेंगे। उइलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का लाइव प्रदर्शन दिखाया गया। इसके बाद ईसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया, चुनाव संचालन और भारत की चुनावी व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उआईईवीपी के तहत प्रतिभागी पांच-छह नवंबर तक बिहार का दो दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वे ईवीएम डिस्पैच केंद्रों का निरीक्षण करेंगे और छह नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में वास्तविक मतदान प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे।

दुस्साहस, विस चुनाव वाले दिन भी शराब तस्करी का प्रयास, शराब लदी कंटेनर जब्त, दो गिरफ्तार

- **बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतू पर मध्य रात्रि उत्पाद विभाग की टीम को मिली सफलता**
- **हरियाणा से हाजीपुर ले जाई जा रही थी शराब की खेप, भूसी की आड़ में हो रही थी तस्करी**

केटी न्यूज/बक्सर

शराबबंदी वाले बिहार में तस्करों का मनोबल इस कदर उंचा है कि विधानसभा चुनाव वाले दिन भी तस्कर अपने प्रयासों से बाज नहीं आए, हालांकि उनका प्रयास सफल नहीं हुआ तथा बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतू पर मुश्तैद उत्पाद विभाग की टीम ने शराब लदी कंटेनर के साथ ही दो तस्करों को पकड़ने में सफलता पाई। कंटेनर से विभिन्न ब्रांड के 2909.16 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई, जिसे तस्करों ने लकड़ी की भूसी की आड़ में छिपा रखी थी। बरामद शराब की कीमत लाखो रूपए आंकी जा रही है।



गिरफ्तार तस्करों में मुजफ्फरपुर जिले के समरा थाना क्षेत्र अंतर्गत डिगोरीहार गांव निवासी मुकेश राय पिता सिगेश्वर राय व इसी थाना क्षेत्र के गनीआरी गांव निवासी मुन्ना कुमार पिता रामानंद राय शामिल है।

उत्पाद विभाग की पूछताछ में तस्करों ने बताया कि यह कंटेनर हरियाणा से हाजीपुर लाई जा रही थी, उन्हें यह कंटेनर लखनउ में हैंडओवर हुआ था तथा हाजीपुर तक ले जाने की जिम्मेवारी मिली थी। आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार रात करीब डेढ़ बजे वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट प्रभारी सह मद्य निरीक्षक कुंदन कुमार के नेतृत्व में विस चुनाव के मद्देनजर वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था, इसी दौरान छह चक्का का एक ट्रक जिसका नंबर एचआर 62-8929 था आती दिखाई पड़ी। उस पर लकड़ी का भूसी लदा था। जब उक्त कंटेनर वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर पहुंचा तो पहले से ही उत्पाद विभाग की टीम वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। मद्य निरीक्षक ने जब चालक को रोक पूछताछ की तो उसने बताया कि ट्रक में भूसी लदी है। हालांकि, उसके बातों पर मद्य निरीक्षक को शक हुआ तथा दोनों को हिरासत में ले गहराई से पूछताछ शुरू हुई तथा ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें भूसी की बोरियों के नीचे छिपाकर रखा शराब की पेटिया नजर आई। ट्रक से कुल 325 पेटी में विभिन्न ब्रांडो की कुल 2909.16 लीटर शराब बरामद हुई। जिसके बाद उत्पाद टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

विस चुनाव के दिन तस्करों के मनोबल से उठे सवाल

बता दें कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। गुरूवार को ही जिले में विधानसभा का चुनाव था, जिस कारण पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था काफी टाइट थी। विस चुनाव को लेकर जिले की सीमा को सील कर दिया गया था तथा चप्पे-चप्पे पर पुलिस मौजूद थी। बावजूद तस्करों ने शराब लदी कंटेनर को जिले की सीमा में पार कराने का दुस्साहस कर पुलिस प्रशासन के लिए कई सवाल छोड़ दिए है।

जिले की सीमा सील, प्रशासन ने पूरी की तैयारियां, पारदर्शी मतदान पर विशेष फोकस

मतदान सम्पन्न, लगभग 61.39 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

- **शांतिपूर्ण मतदान से प्रशासन ने ली राहत की सांस, ईवीएम में कैद हुआ प्रत्याशियों का भाग्य**
- **कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्भीक होकर पहुंचे मतदाता, अधिकारी दिनभर करते रहे बूथों का निरीक्षण**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में गुरुवार को प्रथम चरण के तहत विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों, बक्सर सदर, राजपुर (सुरक्षित), डुमरांव और ब्रह्मपुर में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। लोकतंत्र के इस महापर्व में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्वाचन कोषांग से मिली जानकारी के अनुसार जिले के कुल 1416 मतदान केंद्रों पर लगभग 61.39 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।



सबसे अधिक मतदान डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम मतदान ब्रह्मपुर में हुआ। जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, शाम पांच बजे तक ब्रह्मपुर में 58.1 प्रतिशत, बक्सर सदर में 65.40 प्रतिशत, डुमरांव में 60.30 प्रतिशत तथा राजपुर में 62.36 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया।

जिला प्रशासन की सख्त सुरक्षा व्यवस्था और सूझबूझ भरे प्रबंधन के कारण पूरे जिले में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और पारदर्शी रही। किसी भी क्षेत्र से अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मतदान के दौरान जिलाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य लगातार फील्ड में सक्रिय रहे। दोनों अधिकारियों ने अपने दल-बल के साथ मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और सभी बूथों पर शांति एवं सुव्यवस्था सुनिश्चित की।

इस दौरान डीडीसी आकाश चौधरी, एसडीएम अविनाश कुमार (बक्सर सदर), एसडीपीओ गौरव पांडेय, एसडीएम राकेश कुमार (डुमरांव), एसडीपीओ पोलत्स कुमार, तथा बीडीओ संदीप कुमार पांडेय समेत सभी प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार बूथों की निगरानी करते रहे। वरीय अधिकारी हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर स्थिति पर नजर रखे हुए थे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते मतदाता पूरी निर्भीकता के साथ मतदान केंद्रों तक पहुंचे। जिले की सीमाओं पर सुरक्षा बलों की कड़ी चौकसी रही, जिससे किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना समाप्त हो गई।



मतदान समाप्त होते ही प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। जिले में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और एसपी शुभम आर्य ने जिलेवासियों और मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह चुनाव जिले के अनुशासित और लोकतांत्रिक चेतना से ओत-प्रोत नागरिकों के सहयोग से सफल हुआ है।

14 नवंबर को मतगणना के साथ यह तय होगा कि किस उम्मीदवार पर मतदाताओं ने भरोसा जताया है। फिलहाल, मतदान का उच्च प्रतिशत यह संकेत दे रहा है कि बक्सर जिले के मतदाता लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ आगे आए हैं।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

राजपुर में मतदान के दौरान तीन बूथों पर वीवीपैट में खराबी, रिजर्व मशीन से शुरू हुआ मतदान

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान शुरू होने के कुछ ही देर बाद तीन मतदान केंद्रों पर वीवीपैट मशीन में तकनीकी खराबी आ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बूथ संख्या 380, 366 और 379 पर मतदान के प्रारंभिक चरण में यह समस्या उत्पन्न हुई। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि जैसे ही खराबी की सूचना मिली, वैसे ही निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार रिजर्व वीवीपैट मशीनों की व्यवस्था कर वहां मतदान प्रक्रिया को तुरंत पुनः शुरू करा दिया गया।

उन्होंने बताया कि मतदान शुरू होने से पहले भी करीब आठ बूथों पर ईवीएम में मामूली तकनीकी दिक्कतें सामने आई थीं, जिन्हें



तकनीकी दल ने मौके पर पहुंचकर ठीक कर दिया। इससे मतदान कार्य में किसी प्रकार की बड़ी बाधा नहीं आई। प्रशासनिक टीम और तकनीकी कर्मियों की तत्परता के कारण मतदान प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि सभी बूथों पर सुरक्षा और निगरानी के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं ताकि मतदाताओं को किसी तरह की असुविधा न हो। कुल मिलाकर, प्रारंभिक तकनीकी दिक्कतों के बावजूद राजपुर में शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से मतदान जारी है।

युवाओं और महिलाओं ने दिखाया जोश राजपुर में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न

- **पहली बार बना मोबाइल सेंटर, युवा बोले- विकास और रोजगार के लिए किया मतदान**

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को हुए मतदान में युवाओं और महिलाओं का उत्साह देखने लायक था। कुल 13 प्रत्याशी मैदान में थे, जिनका भाग्य अब ईवीएम में कैद हो गया है। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। दोपहर 3 बजे तक 53.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। प्रशासनिक स्तर पर सभी बूथों पर शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ। इस बार निर्वाचन आयोग की ओर से एक अनोखी पहल की गई। हर बूथ पर मोबाइल रखने के लिए मोबाइल सेंटर बनाए गए, जहां मतदाता अपना मोबाइल जमा कर टोकन प्राप्त करते थे। मतदान के बाद लोग वहां से मोबाइल लेकर सेल्फी खींचते हुए लोकतंत्र की मजबूती का संदेश दे रहे थे। यह व्यवस्था लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी रही। बारुपुर उत्क्रमित उच्च विद्यालय के बूथ संख्या 232 और 233 पर नियुक्त महिला कर्मी अनिता कुमारी और पूजा कुमारी पूरी मुस्तैदी से इस व्यवस्था का संचालन करती रहीं।

युवाओं में दिखा मतदान का उत्साह

पहली बार वोट डालने पहुंचे युवा मतदाताओं में जबरदस्त जोश था। कई युवाओं ने कहा कि वे इस बार विकास और रोजगार के मुद्दे पर वोट कर रहे हैं। बूथ संख्या 233 पर मतदान करने पहुंचे पिंटू कुमार राय और रिंकू कुमार ने बताया कि वे पांचवीं तक शिक्षित हैं और चंडीगढ़ में काम करते हैं, लेकिन इस बार गांव आकर मतदान करना अपना कर्तव्य समझा। वहीं उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय, रामपुर (बूथ संख्या 401 और 402) पर दिनेश सिंह, अरविंद कुमार, राहुल, छोटेलाल, धनंजय सिंह, नंदलाल सिंह, राकेश कुमार, गोलू कुमार और सतीश कुमार जैसे युवाओं ने गर्व से बताया कि वे स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र हैं और रोजगार व पढ़ाई के मुद्दों पर पहली बार वोट डाल रहे हैं।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

मॉडल बूथ बना लोकतंत्र का उत्सव स्थल, रेड कार्पेट एंट्री और सजावट से खिले मतदाताओं के चेहरे

- **प्रेक्षक एन.के. गुंडे ने की डुमरांव के मॉडल बूथ की सराहना, मतदान बना यादगार अनुभव**

केटी न्यूज/डुमरांव

201 डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में आज मतदान का नजारा किसी उत्सव से कम नहीं रहा। लोकतंत्र के इस महापर्व में हर वर्ग की भागीदारी ने पूरे क्षेत्र को उत्साह और उमंग से सराबोर कर दिया। विशेष रूप से डुमरांव क्षेत्र में बनाए गए मॉडल बूथ ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मतदान केंद्र की सजावट, स्वच्छता और मतदाताओं के स्वागत के अनोखे इंतजामों ने इसे एक आदर्श मतदान स्थल बना दिया। क्षेत्र की निर्वाचन प्रेक्षक एन.के. गुंडे ने आज मॉडल बूथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्र पर की गई व्यवस्थाओं, सुविधाओं और



मतदाताओं के स्वागत के लिए किए गए विशेष प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें मतदाताओं को प्रेरित करती हैं और लोकतंत्र के प्रति लोगों के विश्वास को और मजबूत बनाती हैं। मॉडल बूथ पर मतदाताओं के लिए रेड कार्पेट एंट्री, फूलों से सजी दीवारें, और सुगंधित वातावरण ने मतदान को एक उत्सव का रूप दे दिया। मतदान केंद्र पर बने सेल्फी प्वाइंट ने युवाओं और पहली बार वोट डालने वालों को खूब आकर्षित किया। वोट डालने के बाद मतदाता गर्व और खुशी के साथ तस्वीरें लेते नजर आए। उनके चेहरों पर लोकतंत्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की झलक स्पष्ट दिख रही थी। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी वर्ग के लोग मतदान के प्रति उत्साहित दिखे। प्रशासन द्वारा की गई सुव्यवस्थित तैयारियों और शांतिपूर्ण वातावरण ने मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाया। पूरे दिन मतदान केंद्रों पर सुरक्षा और सहयोग का माहौल बना रहा। डुमरांव सहित पूरे बक्सर जिले में आज मतदान शांतिपूर्ण, पारदर्शी और उल्लासपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। हर बूथ पर मतदाताओं का उत्साह देखने लायक था। जिले के प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों ने लगातार निरीक्षण कर मतदान को निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराया। डुमरांव के इस मॉडल बूथ ने न सिर्फ मतदान को सहज और आकर्षक बनाया, बल्कि यह भी साबित किया कि जब लोकतंत्र को उत्सव की तरह मनाया जाए, तो जनता की भागीदारी अपने आप बढ़ जाती है। यह बूथ जिले में अन्य मतदान केंद्रों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।



घूंघट की ओट से वोट की चोट : आधी आबादी ने लिखा लोकतंत्र की नई कहानी

- बक्सर जिले में महिलाओं की रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी, मतपेटी में गूंजा सशक्त नारी का संदेश
- चुनाव परिणाम में महिलाओं की भूमिका होगी निर्णायक



रजनीकांत दूबे/बक्सर

लोकतंत्र के महापर्व में इस बार बक्सर जिले की आधी आबादी ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। घूंघट की ओट से वोट पर चोट कर महिलाओं ने यह साबित कर दिया कि अब वे सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि लोकतंत्र की निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों बक्सर, डुमरांव, ब्रह्मपुर और राजपुर, में महिलाओं की उत्साहजनक भागीदारी ने प्रशासन से लेकर राजनीतिक गलियारों तक में नई चर्चा छेड़ दी है। चुनाव के दिन सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर महिलाओं की लंबी कतारें दिखाई दीं। गांव से लेकर शहर तक, महिलाएं अपने घरों की चौखट लांघ कर लोकतंत्र की रक्षा में अपनी अहम भूमिका निभाने निकलीं। डुमरांव विधानसभा के मध्य विद्यालय पुराना भोजपुर स्थित मतदान केन्द्र संख्या 10 से 15 तक दोपहर तक केवल महिलाओं की कतार ही देखने को मिली। इसी तरह हरियाणा फार्म स्थित बूथ संख्या 38 से 41 तक भी महिला मतदाताओं का जोश देखने लायक था।

ग्रामीण इलाकों में भी महिलाओं की यह सक्रियता किसी सामाजिक परिवर्तन से कम नहीं थी। कई स्थानों पर बुजुर्ग महिलाओं ने पहली बार मतदान किया, वहीं युवा मतदात्री समूहों ने एक-दूसरे को प्रेरित कर मतदान केन्द्र तक पहुंचाया। यह नजारा इस बात का प्रतीक था कि बक्सर की धरती पर लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हो चुकी हैं।

महिलाओं की इस अभूतपूर्व भागीदारी के पीछे जिला प्रशासन का लगातार चलाया गया स्वीप अभियान भी बड़ी वजह रहा। चुनाव पूर्व महीनों तक चलाए गए मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों, नुक्कड़ नाटकों और रैलियों ने असर दिखाया। प्रशासन ने महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया, जिसका परिणाम आज बूथों पर स्पष्ट नजर आया। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी माना कि महिलाओं की भागीदारी से मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रशासन के अनुसार, इस बार महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों के बराबर ही नहीं, बल्कि कई बूथों पर उनसे अधिक दर्ज की गई है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो इस बार के चुनाव परिणाम की दिशा तय करने में महिलाओं की भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों की महिलाओं ने जिस उत्साह से मतदान किया, वह भविष्य में राजनीति के समीकरण भी बदल सकता है।

सच कहा जाए तो बक्सर की महिलाओं ने इस चुनाव में यह संदेश दे दिया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब आधी आबादी खुलकर अपने मताधिकार का प्रयोग करे। घूंघट की ओट से निकली इन महिलाओं ने न केवल वोट डाला, बल्कि समाज को एक मजबूत संदेश भी दिया कि ह्लहम भी हैं लोकतंत्र की सच्ची रखवाली।

केसठ में शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ विधानसभा चुनाव, 59.46 प्रतिशत मतदान







केटी न्यूज/केसठ

केसठ प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को शांतिपूर्ण माहौल में विधानसभा चुनाव सम्पन्न हो गया। सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखा। घूंघट की ओट में नई नवेली महिलाएं भी लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने के लिए कतार में खड़ी नजर आईं।

कुल 32 मतदान केंद्रों पर दिनभर उत्साहपूर्वक मतदान हुआ। प्रशासनिक सतर्कता और मतदाताओं के सहयोग से पूरे प्रखंड में चुनाव शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। इस दौरान किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस बार कुल 59.46 प्रतिशत यानी 15,050 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें 8,026 पुरुष और 7,024 महिलाएं शामिल रहीं। यह मतदान प्रतिशत पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में लगभग चार प्रतिशत अधिक है, जो लोकतंत्र के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

सख्त निगरानी में रहा मतदान

विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। चार सेक्टर मजिस्ट्रेट–नसरुद्दीन अंसारी, मुकेश कुमार, मुनेश कुमार और संतोष कुमार–लगातार विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। वहीं नावानगर और वासुदेवा थाना पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों के जवान गश्त पर तैनात रहे। प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सौरभ दिनभर पेट्रोलिंग करते रहे और मतदान प्रक्रिया पर नजर बनाए रखी।

मतदाताओं की सुविधा के लिए रहे विशेष इंतजाम

प्रखंड के 32 मतदान केंद्रों में से 14 पर पर्दानशी कर्मियों की तैनाती की गई थी, जो महिला मतदाताओं की पहचान में सहयोग कर रहे थे। सभी केंद्रों पर हेल्प डेस्क भी बनाए गए थे, जहां महिला कर्मी मतदाताओं की सहायता कर रही थीं।

जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने दिखाया उत्साह

राजद नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने मतदान कर कहा कि मतदान लोकतंत्र की आत्मा है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनू तिवारी ने लोगों से अधिक से अधिक मतदान की अपील की। जिला परिषद अध्यक्ष डॉ. विद्या भारती ने परिवार संग मतदान कर कहा कि हर वोट भविष्य की दिशा तय करता है।

पूर्व मुखिया धनंजय यादव और वर्तमान मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने भी मतदान किया और लोकतंत्र की शक्ति जनता के हाथ में होने की बात कही। पहली बार मतदान करने वाली 18 वर्षीय माधवी कुमारी ने कहा कि पहली बार वोट देकर गर्व महसूस हो रहा है। वहीं 70 वर्षीय सीताराम पाल ने मतदान कर युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जब तक शरीर में शक्ति है, तब तक लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लेना हमारा कर्तव्य है।

एक नजर

सिसराढ़ में अगलगी में चार बकरियों की मौत, लाखों की संपत्ति जलकर खाक

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के सिसराढ़ गांव में बुधवार की शाम एक किसान की झोपड़ीनुमा पशुशाला में लगी आग से चार बकरियों की मौत हो गई और लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है। जानकारी के अनुसार, किसान मेराज अली शाम के समय अपने पशुओं को चारा-पानी देकर घर लौट गए थे। कुछ ही देर बाद अचानक झोपड़ी से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए समरसेबल पंप चलाकर आग बुझाने का प्रयास किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक झोपड़ी में बंधी चार बकरियां जलकर मर गईं, जबकि दो भैंसें और कई बकरियां गंभीर रूप से झुलस गईं।आग में पशुशाला के अंदर रखे साइकिल, बर्तन, और अन्य आवश्यक उपकरण भी पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। अनुमान है कि किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर गुरुवार की सुबह पशु चिकित्सक दल गांव पहुंचा और झुलसे पशुओं का इलाज शुरू किया। डॉक्टरों ने बताया कि भैंस और बकरी की हालत गंभीर है, जिनका इलाज जारी है। मृत पशुओं का पोस्टमार्टम कर रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को सौंप दी गई है। इस घटना से दुखी किसान मेराज अली ने प्रशासन से मुआवजा की मांग की है। ग्रामीणों ने भी सरकार से पीड़ित को शीघ्र आर्थिक सहायता देने की अपील की है।

सड़क नहीं तो वोट नहीं: डूभा गांव के ग्रामीणों ने किया विधानसभा चुनाव का बहिष्कार

सिमरी। ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के सिमरी प्रखंड अंतर्गत डूभा गांव के ग्रामीणों ने इस बार विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी उनके गांव तक पक्की सड़क नहीं पहुंच सकी है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उदासीनता से परेशान ग्रामीणों ने मतदान प्रक्रिया से दूरी बनाकर विरोध जताया है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली कच्ची मार्ग बरसात में कीचड़ और जलजमाव से भर जाती है। ऐसे में न वाहन आ-जा सकते हैं और न ही लोग पैदल सुरक्षित निकल पाते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों और बीमार मरीजों को समय पर इलाज तक नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि नेताओं ने चुनाव के समय सड़क निर्माण का आश्वासन तो कई बार दिया, पर अब तक कोई काम शुरू नहीं हुआ। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक गांव में पक्की सड़क का निर्माण नहीं होता, वे किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। उनका कहना है कि विकास से वंचित जनता के लिए अब ह्लसड़क ही वोट का मुद्दाह्व बन चुका है।

आदर्श बूथ का डीएम ने निरीक्षण कर दिए जरूरी निर्देश

डुमरांव । विधानसभा चुनाव के दौरान गुरुवार की शाम जिला पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने पुराना भोजपुर स्थित मध्य विद्यालय में बनाए गए आदर्श मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम राकेश कुमार और बीडीओ संदीप पांडेय भी मौजूद रहे। डीएम ने मतदान केंद्र पर उपलब्ध सभी सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से स्वास्थ्य सुविधा, पेयजल, रैंप, शौचालय और बिजली व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय शाम के करीब 4 बजे तक मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी था। डीएम ने बताया कि मतदान समाप्त होने में अभी लगभग दो घंटे शेष हैं, इसलिए सभी दंडाधिकारी और मतदान कर्मी अपने कार्यस्थलों पर पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ मुस्तैद रहें। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि मतदान समाप्ति के बाद ईवीएम को निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरी सुरक्षा और पारदर्शिता के साथ सील कर स्ट्रॉन्ग रूम तक सुरक्षित पहुंचाया जाए। डीएम ने मतदाताओं से शांतिपूर्वक और निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। इस दिशा में सभी आवश्यक सुरक्षा और प्रशासनिक कदम उठाए गए हैं। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र पर सुव्यवस्थित पंक्ति, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सुविधा और पुलिस बल की मौजूदगी से मतदाता सहज महसूस कर रहे थे।

राजतंत्र के गढ़ में दिखा लोकतंत्र का उल्लास राजपरिवार समेत सभी ने दिखाई दिलचस्पी



- राजपरिवार के मान विजय सिंह ने सपरिवार किया मतदान

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में राजतंत्र की जड़े जितनी पुरानी व मजबूत रही है, उतना ही यहां लोकतंत्र के प्रति उत्साह भी देखा जाता है। गुरूवार को संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में डुमरांव की यह खूबसुरती देखने को मिली। जब राजपरिवार के छोटे युवराज मान विजय सिंह ने सपरिवार मतदान किया। वे नया भोजपुर स्थित अपने निर्धारित बूथ पर पूरे परिवार के साथ मतदान कर लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित किया। इसके पहले उनके पिता व प्रथम लोकसभा के सांसद रहे महाराजा बहादूर कमल सिंह भी आजीवन सभी चुनावों में मतदान करते रहे है। मतदान के बाद मानविजय सिंह ने कहा कि उनका परिवार शुरू से ही लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वाला है। उन्होंने कहा कि पिताजी हमेशा मतदान को प्राथमिकता देते थे तथा सुबह में ही मतदान करते थे। उन्होंने कहा कि वे इसे बार बिहार के विकास के नाम पर मतदान किए है। उन्होंने उम्मीद जताया कि नई सरकार में बिहार में रोजगार, उद्योग धंधे बढ़ेंगे तथा विधि व्यवस्था भी और दुरूस्त होगी। उन्होंने कहा कि सभी को मतदान अवश्य करना चाहिए। मतदान से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। राजपरिवार के मतदान के प्रति इस दिलचस्पी से ही डुमरांव में लोकतंत्र की जड़े मजबूत है। इस विधानसभा चुनाव में यहां के मतदाताओं ने लगभग 60 प्रतिशत मतदान कर इसे प्रमाणित भी कर दिया है।

प्रखंड कार्यालय के बूथ संख्या 104 पर बीडीओ ने किया मतदान



केटी न्यूज/डुमरांव

इस बार के विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अधिकारियों ने अपने कार्यालय के समीप वाले बूथों पर मतदान कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाई है। इसी कड़ी में डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने प्रखंड कार्यालय स्थित मतदान केन्द्र संख्या 104 पर अपनी पत्नी के साथ मतदान किया। बीडीओ ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने पहले ही निर्देश दिया था कि जो अधिकारी जहां है, अपने नजदीक के बूथ पर मतदान करें। इसके लिए मतदाता सूची में पहले ही नाम जोड़वाया गया था। बीडीओ ने डुमरांव में लोकतंत्र के प्रति जुनून की सराहना की और कहा कि यहां के मतदाताओं ने बड़े ही शांति के साथ मतदान किया है। यह लोकतंत्र का शुभ संकेत है।



शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ मतदान, प्रशासन की सतर्कता और मतदाताओं की भागीदारी बनी मिसाल

- ब्रह्मपुर विधानसभा में प्रेक्षक ने की मतदान केन्द्रों की समीक्षा, व्यवस्थाओं पर जताई संतुष्टि



केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में गुरुवार को लोकतंत्र के महापर्व मतदान का सफल आयोजन पूरी शांति और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुआ। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों बक्सर सदर, डुमरांव, ब्रह्मपुर और राजपुर में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रक्रिया के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, जिससे प्रशासनिक तैयारी और मतदाताओं के सहयोग का सकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिखा।

ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक प्रभजोत सिंह ने दिनभर विभिन्न मतदान केन्द्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों और निर्वाचन अधिकारियों से बातचीत की तथा मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने मॉडल बूथका विशेष अवलोकन किया और वहाँ की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं एवं मतदाताओं के लिए बनाए गए सुगम माहौल की प्रशंसा की। प्रेक्षक सिंह ने कहा कि बक्सर जिला प्रशासन ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएँ प्रभावी ढंग से लागू की हैं। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और महिला मतदाताओं के लिए की गई सुविधाजनक व्यवस्थाओं की सराहना की। रैंप, पेयजल, व्हीलचेयर, छाया शेड और सहायता केंद्र जैसी सुविधाओं ने मतदाताओं के बीच सकारात्मक संदेश दिया। जिले में निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ-साथ सभी संवेदनशील बूथों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेट, माइक्रो ऑब्जर्वर और फ्लाइंग स्क्वॉड की लगातार निगरानी से मतदान प्रक्रिया पूरी तरह नियंत्रित और सुचारू रही। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी विद्यानन्द सिंह तथा पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य स्वयं लगातार विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। उन्होंने बताया कि जिलेभर में मतदान शांतिपूर्ण रहा और मतदाताओं का उत्साह देखकर यह स्पष्ट है कि लोग लोकतंत्र की मजबूती के लिए पहले से कहीं अधिक सजग हुए हैं। जिले के ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक महिला मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कई केंद्रों पर महिलाओं की मतदान पंक्ति पुरुषों से लंबी रही, जिससे स्पष्ट है कि आधी आबादी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मजबूती से अपनी भूमिका निभा रही है।



अभियान : बिहार में जंगलराज की परछाई से लोगों को दूर कर एनडीए के जीत में जुटी जदयू

- **अरुणा देवी बोली..विकास पुरुष नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार लिखेगा विकास की नई गाथा**



केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर 11 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए सभी राजनैतिक दलों के प्रचार अभियान ने जोर पकड़ लिया है। कार्यकताओं की टोली घर घर जाकर पार्टी के लोक लुभावन मैनिफेस्टो को बताने और मतदाताओं को रिझाने में जुटे हुए हैं। सुबह से लेकर रात्रिकाल तक प्रचार वाहनों के माध्यम से हिंदी व भोजपुरी गीतों के आकर्षक आवाज का शोर जारी है। बहरहाल प्रथम चरण का मतदान गुरुवार को 6 नवंबर को मतदान विभिन्न बूथ केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। जिसके बाद द्वितीय व अंतिम चरण के तहत 11 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए स्टार प्रचारकों का उड़नखटोला विधानसभा क्षेत्रों में उतरना अभी बाकी है। स्टार प्रचारक के जनसभाओं से आम मतदाता के बीच हवा का रुख किस तरफ बनता है यह देखना लाजिमी होगा। जिस प्रचार अभियान को तेज करते हुए रोहतास जिले के करहगर विधानसभा क्षेत्र में एनडीए समर्थित और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी बताएं जाने वाली जदयू राज्य परिषद सदस्य सह बिहार प्रदेश चुनाव अभियान समिति सदस्य,काराकाट विधानसभा क्षेत्र के बिक्रमगंज निवासी अरुणा देवी ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशियों के जीत के लिए वोट समर्थन में दिन रात एक करती दिख रही है। उन्होंने सैकड़ों एनडीए कार्यकताओं के साथ गुरुवार को करहगर विधानसभा क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी बशिष्ट सिंह के पक्ष में फुली गांव, बिसोडिहरी, कटियारा, हमीरपुर, विशोदीह सहित दर्जनों गांवों में सघन जनसंपर्क अभियान कर पुनः एनडीए गठबंधन के नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनाने के लिए बशिष्ठ के पक्ष में वोट मांगा। साथ ही जनता से एनडीए को विजयी बनाने की अपील की। रोहतास जिले की चर्चित जदयू नेत्री अरुणा देवी ने लोगों से जनसंपर्क करते हुए कहा कि बिहार में विकास की रफ्तार को और तेज करने के लिए पुनः डबल इंजन की सरकार में बिहार के विकास पुरुष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने के आप सभी दृढ़ संकल्प मन से ले। ताकि बिहार में पुनः महागठबंधन की जंगल राज दूर-दूर तक भटकती नजर नही आए। हालांकि प्रत्याशियों के दावे और जमीनी हकीकत के बीच मतदाताओ के मन की बात को समझते हुए अरुणा देवी ने कहा कि यदि एनडीए की जीत के साथ पुनः बिहार में डबल इंजन की सरकार में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनते ही करहगर विधानसभा में अधूरी पड़ी विकास कार्य की एक नई विकास की बयार बहेगी। मौके पर संदीप सम्राट,ब्रजेश सिंह,पप्पू सिंह, पंकज सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता सहित ग्रामीण लोग अभियान में शामिल थे।

लालू परिवार का हर सदस्य सत्ता का भूखा : नवादा में नीतीश कुमार ने साधा निशाना, राजद को घेरा

एजेंसी। पटना

नवादा जिले के मेसकौर प्रखंड के बीजू बीघा में गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उनके साथ जल संसाधन मंत्री संजय झा भी मौजूद रहे। मंच से मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और परिवारवाद व ह्यजंगलराजह्ण के मुद्दे पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर तीखा हमला बोला।मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में विकास नाम की कोई चीज नहीं थी। उस दौर में राज्य में अराजकता, भ्रष्टाचार और जातीय तनाव का माहौल था। उन्होंने आगे कहा कि लालू परिवार का हर सदस्य सत्ता का भूखा है, जबकि मेरे परिवार का कोई भी सदस्य राजनीति में सक्रिय नहीं है। मैं समाज के विकास और राज्य की तरक्की के लिए राजनीति कर रहा हूं, न कि अपने परिवार को आगे बढ़ाने के लिए।बिना नाम लिए उन्होंने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर सीधा प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को यह समझ लेना चाहिए कि जिन्होंने वर्षों तक बिहार को पीछे रखा, वे अब फिर सत्ता में लौटने की कोशिश कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के बाद बिहार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि सरकार हर साल लाखों युवाओं को रोजगार और नौकरी के अवसर उपलब्ध करा रही है। शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी बड़े सुधार किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने समाज में सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि नवादा में समय-समय पर साम्प्रदायिक तनाव की घटनाएं होती रही हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि ह्लहिंदू-मुस्लिम एकता को बनाए रखें। आपसी भाईचारा ही बिहार की असली ताकत है। मिल-जुलकर रहिए, तभी राज्य आगे बढ़ेगा। सभा के अंत में मुख्यमंत्री ने रजौली विधानसभा से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रत्याशी विमल राजवंशी और नवादा विधानसभा से विभा देवी के पक्ष में समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि दोनों प्रत्याशी ईमानदार और जनता के लिए समर्पित हैं। इन्हें जिताइए, ताकि क्षेत्र का विकास तेजी से हो सके। जनसभा में जदयू जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी, जिला अभियान प्रभारी डॉ. सतीश कुशवाहा सहित पार्टी के कई नेता मौजूद रहे।



हिंदू-मुस्लिम एकता बनाए रखना बेहद जरूरी

उन्होंने लालू-राबड़ी का नाम लिए बिना उन पर जमकर हमला बोला। नीतीश कुमार ने हिंदू-मुस्लिम एकता का बड़ा संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि नवादा में अक्सर दोनों समुदायों के बीच विवाद होते रहे हैं, ऐसे में एकता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने बिहार में हर साल करोड़ों लोगों को नौकरी देने का दावा भी दोहराया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने 12 वर्षीय बच्ची को कुचला, मौत

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट थाना क्षेत्र के किसुआड़ी गांव में गुरुवार को अहले सुबह करीब साढ़े 6 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें कोचिंग जा रही 12 वर्षीय बच्ची संजू कुमारी को अनियंत्रित ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी,जिस दौरान मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार यह ट्रैक्टर अवदानी बिगहा गांव का बताया जा रहा है। मृतक बच्ची किसुआड़ी गांव निवासी राजेश सिंह की पुत्री थी,जो इटिम्हा कोचिंग करती थी । घटना सड़क के मोड़ के पास हुई,जहां ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। मौके वारदात पर आक्रोशित लोगों ने ट्रैक्टर चालक समेत उसपर सवार अन्य तीन लोगों को बंधक बना लिया । घटना की जानकारी मिलने पर काराकाट पुलिस के साथ-साथ नासरीगंज और कच्छवां पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर जाम हटवाया । काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि उक्त मामले में चालक सहित तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बताया कि घटित घटना में मृतक बच्ची के पिता द्वारा चार लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है । जिस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है । मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है।



कटिहार में कांग्रेस की सभा में बवाल : इमरान प्रतापगढ़ी के नहीं पहुंचने पर बेकाबू हुई भीड़, कुर्सियां तोड़ीं और पोस्टर फाड़े

केटी न्यूज/रोहतास

मनिहारी विधानसभा क्षेत्र के बेरिया फील्ड में आयोजित कांग्रेस की जनसभा में उस वक्त अफरा-तफरी मच गयी जब लोग अचानक कुर्सियां तोड़ने लगे और हंगामा मचाने लगे। जब मशहूर शायर और कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी तय समय पर नहीं पहुंचे तब भीड़ बेकाबू हो गयी। सभा स्थल पर सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक जुटे थे, लेकिन देर शाम तक उनके न आने से भीड़ भड़क गई और हंगामा शुरू हो गया। लोग गुस्से में आकर तोड़फोड़ करने लगे और कुर्सियाँ पटक पटक कर तोड़ने लगे। लोगों ने टेबल-कुर्सी को तोड़ डाला और पोस्टर फाड़ डाले। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब कुछ लोग मंच पर चढ़ गये और हंगामा करने लगे। मौके पर मौजूद कांग्रेस कार्यकताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने किसी तरह प्रत्याशी मनोहर प्रसाद सिंह को सुरक्षित बाहर निकाला। दरअसल इमरान प्रतापगढ़ी कांग्रेस प्रत्याशी मनोहर प्रसाद सिंह के पक्ष में वोट माँगने आने वाले थे, लेकिन देर रात तक न पहुँचने से जनता का सब्र टूट गया। हंगामे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें पूरे दिन यह बताया गया कि इमरान प्रतापगढ़ी रास्ते में हैंह्व, लेकिन देर रात तक कोई सूचना नहीं मिली। घटना के बाद से इलाके में राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है, जबकि प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।



बगहा में मुकेश सहनी की सभा रद्द, मोबाइल से जनता को किया संबोधित

केटी न्यूज/बगहा

बगहा में कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में श्क्ढ सुप्रीमो मुकेश सहनी की सभा को अनुमति नहीं मिली। मुकेश सहनी ने मोबाइल से जनता को संबोधित किया। कहा कि यह तानाशाह सरकार है, जनता बदलाव के लिए तैयार रहे। महागठबंधन के समर्थन में बगहा में प्रस्तावित वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी की चुनावी सभा को प्रशासनिक अनुमति नहीं मिलने से राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में निर्धारित यह सभा अंतिम समय में रद्द कर दी गई, जिसके बाद मुकेश सहनी ने फोन कॉल के माध्यम से कार्यकताओं और समर्थकों को संबोधित किया। सूत्रों के अनुसार, मुकेश सहनी की सभा की तैयारियां कई दिनों से चल रही थीं। सुबह से ही कार्यकर्ता और समर्थक स्थल पर जुटने लगे थे, लेकिन दोपहर में प्रशासन की ओर से सूचना दी गई कि सभा की अनुमति नहीं दी जा सकती। सभा रद्द होने के बाद मुकेश सहनी ने फोन कॉल के जरिये लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लमुझे बगहा आने की अनुमति नहीं दी गई है। यह सरकार की तानाशाही है। मुकेश सहनी ने कहा कि मैं आप सब से क्षमा चाहता हूँ कि व्यक्तिगत रूप से आपके बीच नहीं आ सका। लेकिन मतदान के दिन आप सभी महागठबंधन को ज्यादा से ज्यादा वोट करें और इस तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करें। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी नेताओं की आवाज को दबाने की कोशिश लोकतंत्र के लिए खतरा है।जनता अब सब समझ चुकी है, और आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका जवाब वोट से देगी । वहीं, बगहा के अलावा मुकेश सहनी ने लौरिया में रणकौशल प्रताप सिंह और नौतन में अमित गिरी के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया, जहाँ उन्होंने एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा।



हेल्प डेस्क वॉलिंटियर को डडीसी ने दिया प्रशिक्षण



केटी न्यूज/रोहतास

राजपुर क्षेत्र अन्तर्गत अगामी 11 नवम्बर को बिहार विधान सभा चुनाव मतदान के लिए हेल्प डेस्क पर प्रतिनियुक्ति वॉलिंटियर्स को प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को डीडीसी विजय कुमार पाण्डेय ने प्रशिक्षण प्रदान किया.जानकारी देते हुए सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदधिकारी रविराज ने बताया कि क्षेत्र अंतर्गत सभी 69 बुथ पर मतदान हेतु पहुंचने वाले मतदाताओं को उनकी परेशानियों के निराकरण में सहायता हेतु सभी वॉलिंटियर्स को उनके कार्य एवं कर्तव्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई.उन्होंने बताया कि सभी बुथ के लिए एक हेल्प डेस्क होगा.जिस पर वालंटियर पद पर एक स्कूल शिक्षिका एवं एक आंगनबाड़ी सेविका प्रतिनियुक्त है. मौके पर आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार,प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रेम रंजन प्रसाद,शिव सम्भू राय समेत सभी प्रतिनियुक्त कर्मी मौजूद रहे।

एक नजर

मोतिहारी में राजनाथ सिंह ने किया दावा : बिहार में दो-तिहाई बहुमत से बनेगी एनडीए की सरकार



मोतिहारी। बिहार में दो चरण में मतदान हो रहे हैं। पहले चरण का मतदान आज 6 नवंबर को है। तो वही दूसरे चरण का मतदान 11 नवम्बर को होगा। दूसरे चरण के चुनाव प्रचार में तमाम पार्टी के नेता लगे हुए हैं। इसी क्रम में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विधानसभा चुनाव प्रचार के लेकिन पूर्वी चंपारण के पताही स्थित हाई स्कूल पहुंचे। जहां उन्होंने चुनावी जनसभा को संबोधित किया और बिहार में एनडीए की सरकार बनने का दावा किया। इस दौरान रैली में भारी संख्या में मौजूद लोगों ने रक्षा मंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दो तिहाई बहुमत से बिहार में एनडीए की सरकार बनने का दावा किया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर प्रशंसा की। आजकल के नेताओं से नीतीश कुमार से सीखनी चाहिए। 20 साल मुख्यमंत्री रहने के बावजूद भी एक छोटा सा छोटा आरोप भी उन पर नहीं लगा है। लेकिन आजकल जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप है वह अपनी वाहवाही करवाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि राजद की संस्कृति कट्टा वाली रही है और उनके चुनावी कार्यक्रम में भी बच्चों से कट्टा वाले गाना गवाये जा रहे हैं। हमारी एनडीए सरकार में बिहार के लोग बाहर जाकर बेहतर बिहार में आने का न्योता देते हैं लेकिन जंगल राज वाले लोग के समय बिहार के बारे में यह सोचते थे कि आईये ना हमारा बिहार में मार देंगे कट्टा कपार में। बिहार में जो बदलाव हुए हैं और बिहार में बिहार की जनता जंगल राज को नहीं देखना चाहती है।

अंजबित सिंह महाविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

बिक्रमगंज । नगर के अंजबित सिंह महाविद्यालय ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत"सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी"विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई । यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ.ओम प्रकाश राम के मार्गदर्शन और समन्वय शौर्य गुप्ता,राजनीति विभागाध्यक्ष डॉ अखलाख अहमद,बड़ा बाबू मदन प्रसाद वैश्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई । कार्यक्रम का संचालन बीसीए विभाग के शिक्षक राजीव रंजन ने किया। सभी शिक्षकों ने छात्रों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सतर्कता और ईमानदारी के महत्व को समझने और सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की पहल की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पारदर्शिता,ईमानदारी और जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था । साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि सतर्कता केवल कुछ लोगों का कर्तव्य नहीं,बल्कि सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है । कार्यक्रम के दौरान,पोस्टर मेकिंग, भाषण और रंगोली सहित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई,जो सभी सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता पर केंद्रित थीं । छात्रों ने बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लिया और नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी समझ का प्रदर्शन किया। प्राचार्य डॉ.ओम प्रकाश राम ने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए बधाई दी।

काराकाट विधानसभा में 13 प्रत्याशियों ने अपनी जीत का ताल ठोक वोटरों से कर रहें विकास के वादे

काराकाट। काराकाट विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल अब पूरी तरह गरम हो चुका है । इस बार का चुनावी रण सिर्फ प्रचार का नहीं,बल्कि जनसमर्थन की परीक्षा बन गया है । कुल 13 प्रत्याशी मैदान में हैं और हर कोई अपने-अपने समर्थकों के साथ मतदाताओं के दिलों तक पहुंचने की कोशिश में जुटा हुआ है । सुबह की पहली किरण से लेकर देर रात तक सड़कों पर प्रचार रथ दौड़ रहे हैं । प्रत्याशी चाहे सत्तापक्ष के हों या विपक्ष के,सभी अपने-अपने अंदाज में मतदाताओं को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। शहरों से लेकर गांवों तक,गलियों से लेकर खेतों की मेड़ों तक,हर ओर सिर्फ एक ही चर्चा कि काराकाट में कौन बनेगा जनता का सरदार ? हर प्रत्याशी अपने घोषणापत्र और विकास एजेंडे को जनता के सामने रख रहा है । कोई रोजगार,शिक्षा और स्वास्थ्य की बात कर रहा है,तो कोई भ्रष्टाचार,सड़क और बिजली जैसे मुद्दों को उठाकर जनता का भरोसा जीतने की कोशिश में है । नुक्कड़ सभाओं, चौपालों और जनसंपर्क अभियानों में प्रत्याशियों की भीड़ देखकर साफ झलक रहा है कि मुकाबला इस बार बेहद कड़ा और दिलचस्प रहने वाला है । जनता भी इस चुनाव में खामोश नहीं है । मतदाता इस बार नेताओं के वादों के साथ-साथ उनके पुराने कार्यों और छवि का भी बारीकी से आकलन कर रहे हैं । हर घर में राजनीतिक चर्चा गर्म है,हर चौपाल पर भविष्य की तस्वीर खींची जा रही है। अब पूरे काराकाट की निगाहें 11 नवंबर पर टिकी हैं,जब जनता ईवीएम का बटन दबाकर यह तय करेगी कि कौन बनेगा काराकाट की जनता की सच्ची आवाज। चुनावी गहमागहमी के बीच एक बात तय है कि इस बार का चुनाव सिर्फ दलों के बीच नहीं,बल्कि जनता के विश्वास और उम्मीदों की सच्ची कसौटी है।

महासमर में सियासी दिग्गजों ने किया वोट

कोई परिवार संग तो कोई सिंगल आया बूथ सेंटर



मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर में मतदान किया


आरजेडी सुप्रीमों परिवार के साथ वोट डालने के बाद


महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री उम्मीदवार मुकेश सहनी परिवार के साथ


जेजेडी चीफ मतदान के बाद प्रेस से बात करते हुए


वोट डालने के बाद कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार अपनी बात रखते हुए


सम्राट चौधरी ने अपनी गृह विधासभा क्षेत्र तारापुर में वोटिंग किया


भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद मतदान करने के बाद

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर पहले चरण के लिए मतदान जारी है। सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर लोग जुटने लगे। वहीं, सियासी दिग्गज भी मतदान कर रहे हैं। कोई अपने परिवार के साथ तो कोई अकेला ही बूथ सेंटर पर पहुंचा है। चलिए देखते हैं मतदान के महासमर की सियासी दिग्गजों की तस्वीरें। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में गुरुवार सुबह कई वरिष्ठ नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें आरजेडी नेता और इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और जदयू नेता राजीव रंजन सिंह ह्यललनह्ल सहित कई प्रमुख नेता शामिल हैं।आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव परिवार के परिवार के साथ डाला वोट। तेजस्वी यादव ने अपने पिता और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव समेत परिवार के सदस्यों के साथ पटना स्थित वेटरिनरी कॉलेज के मतदान केंद्र पर वोट डाला। वोट डालने के बाद लालू यादव का परिवार के संग एक समूह चित्र भी सामने आया है। जिसमें उनके परिवार के सभी सदस्य स्याही लगी हुई उंगली दिखाते हुए दिख रहे हैं। अपने परिवार के साथ दरभंगा में मुकेश सहनी ने डाला वोट। दरभंगा में श्रद्ध प्रमुख और महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री उम्मीदवार मुकेश सहनी ने परिवार के साथ बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में वोट डाला।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अकेले पहुंचे बूथ पर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर में मतदान किया। वोटिंग करने के बाद अपनी स्याही लगी उंगली दिखाते हुए वोट डालने का संदेश दिया। वहीं उनके मौजूद जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दावा किया कि ठऊअ की प्रचंड जीत होने जा रही है। सभी मतदाता से अपील है कि वह लोकतंत्र में जरूर भाग लें। पीएम और सीएम की जोड़ी जनता भरोसा करती है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मतदान किया। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की जनता बड़े उत्साह के साथ मतदान कर रही है। बड़ी संख्या में महिलाओं, माताओं और बहनों का मतदान करना इस बात का संकेत है कि हवा किस तरफ बह रही है और यह ठऊअ सरकार द्वारा किए गए कार्यों और बिहार के विकास का नतीजा है। जनता प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी पर भरोसा करती है। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने अपनी गृह विधासभा क्षेत्र तारापुर में वोटिंग की है। वोटिंग के बाद पर लिखते हैं कि एक-एक बिहारी का मतदान, राज्य के विकास में योगदान! लोकतंत्र के महापर्व में गृह विधानसभा क्षेत्र तारापुर में मत का प्रयोग किया। आप सभी बढ़-चढ़कर मतदान करिए और एक सशक्त, सुरक्षित, समृद्ध तथा विकसित बिहार के लिए वोट करेंपटना में जेजेडी चीफ ने किया मतदान। पटना में जन शक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महुआ विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार तेज प्रताप यादव ने एक मतदान केंद्र में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से भी बात की। साथ ही सभी लोगों के मतदान में हिस्सा लेने की अपील की।

छपरा में चुनावी रॉर : मांझी सीट से माले प्रत्याशी डॉ. सत्येंद्र की गाड़ी पर हमला, शीशे तोड़े, पुलिस टीम अलर्ट



एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के दौरान छपरा जिले से बड़ी खबर सामने आई है। मांझी विधानसभा सीट से महागठबंधन समर्थित माले प्रत्याशी डॉ. सत्येंद्र यादव की स्कॉर्पियो गाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। इस घटना में वाहन के शीशे तोड़ दिए गए।घटना दाउदपुर थाना क्षेत्र के जैतपुर गांव की बताई जा रही है। हमले की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और हमलावरों की तलाश जारी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।यह घटना को दोपहर 2 बजे के आसपास असामाजिक तत्वों ने अंजाम दिया है। हालांकि, इस घटना में विधायक डॉ. सत्येंद्र यादव बाल-बाल बच गए है, लेकिन उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।बता दें, जैतपुर गांव स्थित मतदान केंद्र संख्या- 42 और 43 पर मतदान प्रक्रिया का निरीक्षण करने पहुंचे हुए थे। उसके बाद मतदान केंद्र के बाहर कुछ स्थानीय लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाने लगा। विरोध के बीच अचानक असामाजिक तत्वों की भीड़ उग्र हो गई। फिर स्कॉर्पियो गाड़ी पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस घटना के दौरान विधायक किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में सफल रहे। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि इस मामले में एफआईआर की गई है। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया था, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो गई है। एसडीपीओ सहित कई पुलिस अधिकारी और पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंच कर जांच में जुट गए है। वर्तमान में मौके पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बहाल कर दी गई है। वहीं, इस संबंध में पुलिस ने बताया कि विधायक और उनके सहयोगी पूरी तरह सुरक्षित हैं। विधि- व्यवस्था की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्वक चल रही है।

बिहार में चुनावी रंग : वोट डालने के लिए सज-धजकर भैंस पर सवार होकर पहुंचा शख्स



एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण को लेकर मतदान जारी है। इस बीच मतदान के दौरान अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। वहीं, कुछ तस्वीरें लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। खास बात यह है कि वैशाली जिले के भगवानपुर से लोकतंत्र की एक अनोखी तस्वीर सामने आई। यहां किसान केदार यादव भैंस पर सवार होकर मतदान केंद्र पहुंचे। यह मंजर देख कुछ समय के लिए स्थीय लोग दंग रह गए।तस्वीर में साफ तौर पर आप देख सकते हैं कि युवक ब्लैक टीशर्ट पहने हुए भैंस के ऊपर बैठा हुआ है। काला चश्मा लगाए हुए है। एक हाथ पर वोटर आईडी कार्ड लिया है। वहीं दूसरे हाथ पर वोटर लिस्ट व डंडा लिए हुए दिख रहा है। भैंस की सवारी बड़े ठाठ से करके मतदान केंद्र जब यह शख्स पहुंचा तो सबकी नजरे केदार पर ही टिकी रह गईं, कुछ पल के लिए। सोशल मीडिया पर केदार की ये फोटों तेजी से वायरल भी हो रही हैं।

बिहारशरीफ में बवाल : पर्ची बांटने पर हुआ हंगामा, भाजपा प्रत्याशी डॉ. सुनील ने एसआई पर लगाया आरजेडी समर्थक होने का आरोप



एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के दौरान बिहारशरीफ में गुरुवार को पर्ची बांटने को लेकर बवाल हो गया। वार्ड 16 के अंबेर क्षेत्र में बूथ संख्या 226 से 232 के पास चार भाजपा कार्यकताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया, जिसके बाद भाजपा प्रत्याशी डॉ. सुनील कुमार ने पुलिस पर आरजेडी समर्थक होने और जानबूझकर परेशान करने का आरोप लगाया।'उनके कार्यकर्ता मतदाताओं को वोटर स्लिप दे रहे थे'जानकारी के अनुसार, बिहार थाना के एसआई रवि कुमार ने उन चार कार्यकताओं को हिरासत में लिया जो बूथ के पास मतदाताओं को वोटर स्लिप बांट रहे थे। भाजपा प्रत्याशी डॉ. सुनील कुमार ने आरोप लगाया कि ह्लएसआई रवि कुमार आरजेडी समर्थक हैं और जानबूझकर हमारे कार्यकताओं को परेशान कर रहे हैं। वे अंबेर तीन-मुहानी पर थे, जहां उनके कार्यकर्ता मतदाताओं को वोटर स्लिप दे रहे थे, जिस पर नाम और बूथ नंबर लिखा था। इस दौरान एसआई ने चार लड़कों को पकड़ लिया और धमकाते हुए कहा कि ह्लयहां काम नहीं करने देंगे, वोट डालने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत उन्होंने प्रशासन से की है।'हम मतदाताओं की मदद के लिए खुद पर्ची बनाकर दे रहे थे। वहीं, वार्ड 16 के पार्षद प्रतिनिधि आशीष रंजन ने बताया कि कार्यकर्ता बूथ से करीब 150 मीटर की दूरी पर पर्ची बांट रहे थे। उन्होंने कहा कि ह्लबीएलओ द्वारा घर-घर पर्ची नहीं पहुंचाई गई थी, इसलिए हम मतदाताओं की मदद के लिए खुद पर्ची बनाकर दे रहे थे।ह्व आशीष रंजन ने आरोप लगाया कि एसआई रवि कुमार ने जबरदस्ती चार लोगों को हिरासत में लिया और वोटर लिस्ट व पर्चियां भी जब्त कर लीं। उन्होंने यह भी कहा कि दारोगा ने उन्हें जानने के बावजूद हाथापाई की और धमकी दी। इस पूरे मामले में सदर डीएसपी नुरुल हक ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है, लेकिन मामले की जांच कराई जाएगी।

थाईलैंड से 270 भारतीयों की वतन वापसी,म्यांमार के साइबर फ्रॉड जाल से हुए आजाद

एजेंसी। पटना

म्यांमार के साइबर स्कैम में फंसे 270 भारतीयों को नौकरी के झांसे से बचाकर वतन वापस लाया गया है. इनमें 26 महिलाएं भी शामिल थीं, जिनसे जबरन साइबर धोखाधड़ी कराई जा रही थी. भारतीय दूतावासों के प्रयासों से ये सफल वापसी हुई है. विदेश में नौकरी स्वीकार करने से पहले सावधानी बरतने और नियोक्ताओं की साख जांचने की सलाह दी गई है ताकि भविष्य में ऐसे घोटालों से बचा जा सके.नौकरी के झांसे में विदेशों में फंसे 270 भारतीयों की वतन वापसी हुई है. ये लोग म्यांमार से थाईलैंड में घुसने की कोशिश में पकड़े गए थे. इन भारतीयों से जबरन साइबर फ्रॉड कराया जाता था. 270 भारतीय नागरिकों में 26 महिलाएं भी थीं. बैंकॉक में भारतीय दूतावास और म्यांमार में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शाही थाई सरकार की अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर इनकी वापसी करवाई है. भारतीय वायु सेना के दो स्पेशल विमानों से इनकी वतन वापसी हुई है. ये सभी हाल ही में म्यांमार के म्यावड्डी से थाईलैंड पहुंचे थे, जहां वे कथित तौर पर साइबर स्कैम केंद्रों में काम कर रहे थे. थाई अधिकारियों ने उन्हें थाई आव्रजन कानूनों के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया था, जब वे अवैध रूप से देश में एंट्री कर रहे थे. थाईलैंड और म्यांमार में स्थित भारतीय दूतावास, उन भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों की सरकारों के साथ मिलकर



काम कर रहे हैं जो कथित तौर पर धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल थे और अभी भी म्यांमार में हैं. दोनों देशों (थाईलैंड और म्यांमार)में स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को सलाह देते हुए कहा है कि कोई भी नागरिक विदेश में नौकरी के प्रस्ताव स्वीकार करने से पहले विदेशी नियोक्ताओं की साख की पहले पुष्टि कर लें और भर्ती एजेंटों व कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करें। इसके अलावा भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए थाईलैंड में वीजा-मुक्त प्रवेश केवल पर्यटन और अल्पकालिक व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए है और इसका थाईलैंड में रोजगार पाने के लिए दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए.

आरजेडी उम्मीदवार खेसारी लाल यादव के लिए नई मुश्किल, अवैध निर्माण को लेकर आ गया नोटिस

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मतदान के बीच भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और राजद प्रत्याशी खेसारी लाल यादव को बड़ा झटका लगा है। मुंबई के मीरा रोड स्थित उनके बंगले पर अवैध निर्माण को लेकर मीरा-भायंदर महानगर पालिका ने नोटिस जारी किया है। नगर निगम का कहना है कि खेसारी लाल यादव ने अपने बंगले में बिना अनुमति लोहे के एंगल और शेड लगाकर निर्माण कार्य किया है, जो नियमानुसार अवैध है। महानगर पालिका ने अपने नोटिस में निर्देश दिया है कि अवैध निर्माण को तत्काल हटा लिया जाए, अन्यथा अतिक्रमण विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी। निगम ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में ढांचा नहीं हटाया गया तो प्रशासन खुद इसे तोड़ देगा और खर्च की वसूली खेसारी लाल यादव से की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, मीरा-भायंदर महानगर पालिका इन दिनों अपने क्षेत्र में अतिक्रमण और अवैध निमार्णों की जांच अभियान चला रही है। इसी क्रम में खेसारी लाल यादव के बंगले की भी जांच की गई। यह बंगला मीरा रोड के पॉश इलाके में स्थित है, जहां से खेसारी लाल यादव ने कुछ वर्ष पहले अपना स्टूडियो शुरू किया था। इस स्टूडियो का उद्घाटन पिछले साल बड़े स्तर पर किया गया था और यहीं से उनकी कई भोजपुरी फिल्मों और संगीत एल्बमों का निर्माण होता है।

सुभाषितम्

युवावस्था आवेशमय होती है, वह प्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी। - प्रेमचंद

अधिकारों को लेकर हाईकोर्ट- सुप्रीम कोर्ट आमने-सामने

देश की न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ है, इन दिनों अधिकारों को लेकर एक गंभीर टकराव के दौर से हाईकोर्ट गुजर रही हैं। पिछले एक दशक में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के जजों के अधिकार सुप्रीम कोर्ट के जजों ने अपने पास लेने की जो कोशिश की है। उसका अब हाई कोर्ट के जज खुलकर विरोध कर रहे है ।हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के अधिकारों की लड़ाई खुलकर सामने आ गई है। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को एक समान अधिकार हैं। हाईकोर्ट अपने क्षेत्राधिकार में मामलों की सुनवाई करता है। सुप्रीम कोर्ट मुख्य रूप से हाईकोर्ट से जो फैसले होते हैं उनकी अपील यदि सुप्रीमकोर्ट में होती है तो उनकी सुनवाई करता है। सुप्रीम कोर्ट को हाई कोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर आदेश देने का अधिकार है लेकिन सुप्रीम कोर्ट स्वयं राज्यों के मामले सुनाने लगे यह कहीं से भी उचित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा जा रहा है राज्यों के हाईकोर्ट में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट अपने पास बुला लेता है और कई वर्षों तक उस पर सुनवाई नहीं करता है कई मामलों में तो यह भी शिकायत आती है सुप्रीम कोर्ट कुछ ऐसे मामलों को अपने पास बुला लेता है जिसमें आर्थिक एवं राजनीतिक समीकरण प्रभावित होते हैं। न्यायपालिका का यह टकराव न केवल संवैधानिक मयार्दाओं पर हमला है। बल्कि न्याय व्यवस्था की संवैधानिक अधिकारिता पर भी सवाल उठाने लगा है। हाल ही मे इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा, सुप्रीम कोर्ट को ह्यहैंड्स ऑफ अप्रोचह्न यानी हस्तक्षेप न करने का रवैया अपनाना चाहिए। हाईकोर्ट का तर्क है, जिला न्यायपालिका की नियुक्ति, सेवा नियम और अनुशासन पर संबंधित हाईकोर्ट और राज्य सरकार का नियंत्रण अनुच्छेद 227(1) के तहत सुनिश्चित है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का दखल हाईकोर्ट के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी।आर। गवई का कहना है,अगर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (अक्खर) जैसी नीतियां लागू करनी हैं। तो एक समान ढांचा बनाने में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस तरह के कई मतभेद संस्थागत संघर्ष का रूप ले चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि वह हाईकोर्ट को नियंत्रित करने का अधिकार रखती है देश मे न्यायिक एक रूपता आवश्यक है। विभिन्न प्रदेश के विभिन्न प्रदेश के हाईकोर्ट इसे अपने अधिकार क्षेत्र पर अतिक्रमण मानते हैं। दोनों पक्ष अपने-अपने संवैधानिक तर्कों के साथ अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। यही रुख न्यायपालिका की गरिमा के लिए हानिकारक साबित हो रहा है। पिछले एक दशक में ऐसे सैकड़ो मामले सामने आ चुके हैं जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में जिन मामलों में सुनवाई चल रही थी। उसे अपने पास बुलाकर अपने तरीके से निर्णीत करना शुरू कर दिया। जबकि हाईकोर्ट ने उस मामले में कोई फैसला ही नहीं दिया था ।स्थिति तब और जटिल हो गई, जब सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए कहा, अगर कोई मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसी स्थिति में हाईकोर्ट उस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इस पर कई न्यायविदों ने कहा न्यायपालिका के भीतर ऐसी भाषा और टकराव न्यायपालिका के प्रति जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट अधिकारों को लेकर ठीक उसी तरह से लड़ रहे हैं जिस तरह से कुछ राज्यों में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच में विवाद चल रहा है। राज्यपाल अपने आपको सर्वोच्च मानने लगे हैं वही मुख्यमंत्री जनता द्वारा चुना गया है संवैधानिक प्रावधान के अनुसार राज्य सरकार सर्वोच्च है। राज्यपाल को राज्य सरकार की सलाह पर काम करना होता है। ठीक उसी तरह से न्यायपालिका का यह संघर्ष ह्यकौन श्रेष्ठ हैह्न कौन सर्वोच्च है। अधिकारों की यह लड़ाई हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बीच में शुरू हो गई है ।इसमें ह्यकौन सीमा लांघ रहा हैह्न यह विवाद का विषय बन गया है।

चिंतन-मनन

विश्वास की ताकत



एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं? यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा-बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं? इस पर अफसर ने कहा-बिल्कुल सही। जिस तरह तुम्हें मुझ पर भरोसा है उसी तरह मुझे ईश्वर पर भरोसा है। वह हम सब का अभिभावक है। वह हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है। वह हर संकट में हमारी सहायता ही करेगा। इसलिए तूफान आया है तो वह चला भी जाएगा। जीवन में विश्वास सबसे बड़ी चीज है। इससे हमें बड़ी ताकत मिलती है। हम इसी ताकत के सहारे जीते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी के प्रति विश्वास तो रखना ही होगा। वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं जिनमें विश्वास की कमी होती है। संयोग से उसी समय तूफान थम गया।

बिहार की रैलियों में मोदी और राहुल का वार-पलटवार

-कांतिलाल मांडोत



बिहार विधानसभा चुनाव की छपरा और मुज्जफरपुर की रैलियों में मोदी ने कहा कि जंगलराज की पहचान पांच शब्दो से होती है ।मोदी और राहुल ने वार पलटवार किया ।मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में राजद और कांग्रेस के पांच शब्द बिहार की राजनीति में फलफूल रहे है ।कट्टा,क्रूरता, कटुता,कुशासन और करप्शन से विपक्ष की पहचान है ।मोदी ने कहा कि छठ पूजा का अपमान कभी नही सहेंगे ।राहुल ने मुजफ्फरपुर और छपरा की सभा के दौरान अंतराष्ट्रीय मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी ट्रम्प को जवाब देने से डरते है ।डर शब्द का उपयोग, वो भी मोदी के लिए करने के बाद राहुल देश के युवाओ के निशाने पर है ।युवाओ की पहली पसंद नरेंद्र मोदी है ।मोदी ने कई बार कहा है कि यह छप्पन की छाती है ।उसके बाद राहुल मोदी पर डर और भय की बात करके सुर्खिया बटोर रहे है ।मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि बिहार के नौजवानों का सपना ही मेरा संकल्प है ।राहुल अपना ही अध्याय लिखने के लिए तत्पर है देश मे कांग्रेस की खोई हुई विरासत वापस पुनः प्राप्त करने का जिम्मा राहुल को सौंप रखा है ।वे मिशन पर निकल पड़े है ।गांधी खानदान की उपलब्धियों से लैस राहुल मैदान में उतरकर विश्व नेता मोदी की काट कर राजनीति के गलियारों तक पहुंचने की भरपूर कोशिश कर रहे है ।मोदी पर निशाना साधने से कांग्रेस दिनोंदिन खिसक रही है ।कांग्रेस को चाहिए कि लोकसभा का चुनाव न होकर विधानसभा का चुनाव बिहार में हो रहा है ।इसलिए कांग्रेस को वार-पलटवार मुख्यमंत्री पर किया जाना चाहिए ।लेकिन कांग्रेस की सुषुप्त अवस्था जनाधार खत्म करने के पदपर अग्रसर है ।कांग्रेस आरोप लगाती है ।लेकिन तथ्यात्मक पहलू पेश नही करती है ।इसलिए वे जूठे और फरेबी आरोप होते है ।राहुल के जातिविहीन समाज के मुद्दे उठाना और मोदी पर बेबुनियाद आरोपो की झड़ी लगाना राहुल और कांग्रेस की फितरत बन गई है ।कांग्रेस ने कभी यह नही सोचा है कि आखिर नरेंद्र मोदी को पूरी दुनिया सम्मान क्यों दे रही है ?अगर कांग्रेस के जेहन में यह सबकुछ आ जाता है तो कांग्रेस की खोई हुई ताकत और विरासत को थोड़ा बहुत खाद पानी मिल सकता है ।राहुल को पता लगने से पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है,जो चुनाव में मुद्दा बन जाता है ।कांग्रेस की विरासत थामे राहुल को अपने मन की कहने के लिए गांधी परिवार के इस वारिस को स्वतः स्फुर्तता की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी ।बिहार को शिक्षा का केंद्र मानने वाली कांग्रेस ने सदियों से चली आ रही वैदिक संस्कृति को पाठ्यक्रम से ही गायब कर दिया ।कांग्रेस का तुष्टिकरण प्रेम आज जड़ो से अलग करने का कार्य कर रहा है ।राहुल ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में कांग्रेस ने उतार दिया है ।कांग्रेस बचाने के लिए राहुल और प्रियंका को केंद्र में रखा जा रहा है ।कांग्रेस को गांधी परिवार से उम्मीदे बेहिसाब है। कांग्रेस ने राहुल को आगे करके कांग्रेस की पतवार थामने का जिम्मा सौंपा है ।लेकिन सतारूढ़ उनकी राजनैतिक परिपक्वता पर हर समय अंगुली उठाता आ रहा है ।और यह इसलिए सही है कि उनकी रुचि भोजन बनाने,नाश्ता तैयार करने,यात्रा निकालने, जूठे आरोप लगाने और तथ्य बिना भाषण देने जैसे कार्य देश की अनास्था को बढ़ावा दे रहा है ।राहुल और कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है ।कांग्रेस कभी यह नही कहती है कि हम सत्ता में आने के बाद जनता के लिए वो कार्य करेंगे ।देश की आलोचना करना और संविधान की किताब जगह जगह प्रदर्शित करना कांग्रेस को पीछे धकेल रही है ।उनके कथन मुस्लिम अल्पसंख्यक को लुभाने के लिए पर्याप्त है ।देश को साथ लेकर चलने की उनकी नियति कभी सुनने को नही मिली है ।राहुल बेहतरीन प्रदर्शन कार्ड है और बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है ।जहाँ कांग्रेस सब कोई ताकत नही रही है ।इनके पुरखो ने आजादी के बाद सबसे ज्यादा शासन किया ।जबसे ईवीएम चलन में आया है तब से कांग्रेस पराजय हो रही है ।इसलिए कांग्रेस को पुरानी पद्धति से चुनाव कराना ठीक लगता है ।क्योंकि बुच कैप्चरिंग और फर्जी वोटो की कहानी हम हर चुनाव के बाद अखबारों में पड़ते थे ।जब से निर्वाचन आयोग का गठन हुआ है,तब से चुनाव प्रक्रिया में सुधार हुआ है ।अब एक वोट भी फर्जी तरीके से नही डाला जा सकता है ।और न कोई फेरफार सम्भव है ।कांग्रेस एक ऐसी विरासत थी,जिसका लोकतंत्र में कोई सानी नही था ।दरअसल,कांग्रेस को गांवो में हाथ वाली सरकार कहते थे ।लेकिन जब से जातिवाद का पंजा फैलने लगा है ।उसके बाद तुष्टिकरण की राजनीति में बहुत फर्क आ रहा है ।जनता सुशासन चाहती है।

राहुल नरम हिन्दुत्व के साथ पींगे बढ़ाने के लिये माहिर है ।मोदी ने अपनी सभा मे राहुल ने शिक्षा पर उठाए गए सवाल पर मोदी ने कहा कि बिहार में हमारी एनडीए सरकार का संकल्प है कि बिहार में पढ़ाई, कमाई, दवाई व सिंचाई के मौके उपलबन्ध हो ।राजद पर पांच क का निशाना साधा ।मोदी ने कहा कि दोनों युवराज जमानत पर और सत्ता के लालच में दोनो साथ साथ है ।चीनी लोग मैड इन बिहार की बात करने वाली कांग्रेस इतने वर्षों तक बिहार और देश के लिए विकास क्यो नही किया ?राहुल ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इतने साल सत्ता में रहकर क्या किया ।निशाना साधने वाले कभी अपनी सरकार पर नजर डालकर देखे कि देश मे 60 साल शासन करने के बाद भी कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को विदेश में तवज्जो नही दी जाती थी ।आज हमारी प्रखर विदेश नीति के तहत दुनिया झुक रही है ।यही तो सुशासन की कड़ी है। राहुल का मकसद अस्थायी समाधान तलाशना नही है ।कभी राहुल मुख्यमंत्री भी बन जाते,लेकिन उनको सीधा प्रधानमंत्री बनना है ।उस दौर में बहुत अवसर थे ।लेकिन अब कुंडली मार कर बैठे विकास पुरुष की वजह से केंद्र में कांग्रेस के शासन करने का समय बीत चुका है ।कांग्रेस के प्रचार में सुस्ती की परत झाड़कर राहुल को तेज बनाने की कोशिश की जा रही है ।राहुल के नीरस ब्यौरे तथा भीड़ भी घिसेपिटे डायलॉग से उकता चुकी है ।शुरूआत में राहुल का भाषण कॉलेज में वाद विवाद में भाग ले रहे है जैसा लगता था ।लेकिन इतने वर्षों के बाद भी भाषण की शैली उस तरह की है जो समझने वाले ही समझ सकते है ।उनके भाषण में आज भी वजन नही है। मंच पर राहुल आज भी पहली बने हुए है ।राजनीति के चलते उग्र भाषण पेल देते है ।राहुल का कूदना कांग्रेस के लिए जरूरी था ।लेकिन कांग्रेस की उम्मीदों पर से उस समय पानी फिर गया,जब सतारूढ़ पार्टी के विकास को राहुल चुनौती नही दे सके ।राहुल अब बिहार को अपनी कर्मभूमि बनाने की सोच रहे है तो भी कांग्रेस का केंद्र में राज करने का समय नही है ।देश मे विकास का उभार को देखते हुए अब जनता ज्यादा भरोसा नही कर सकती है। सतारूढ़ का विकास और देश की बढ़ती इकोनामी के साथ कानून व्यवस्था आदि पर जनता का भरोसा बढ़ता जा रहा है।

जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी

- ललित गर्ग



भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है, यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के ढांचे पर गहरी चोट कर रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानेलेवा हो गया है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है। ह्यद लेंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेंज 2025ह्न रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैंसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है, मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है। भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़ रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं। हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पूछिए, जो खांसते-खांसते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं, जो उन्होंने नहीं की।

वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है। सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं, लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निमार्ता नहीं हैं। गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश झेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की ह्यजलवायु असमानता रिपोर्ट 2025ह्न बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 41 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निमार्ता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय की भी है। अमीरों के पास बड़े वाहन हैं, विशाल भवन हैं, आलीशान जीवनशैली है, और वे जीवाश्म ईंधनों पर आधारित उद्योगों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, गरीबों के पास न तो स्वच्छ ऊर्जा है, न शुद्ध हवा। जो अमीर लोग निजी विमानों और विलासितापूर्ण संसाधनों का उपयोग करते हैं, वे एक सामान्य नागरिक की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह असंतुलन हमारे समाज को विषमता और अन्याय की ओर धकेल रहा है। सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए ह्यआपात कदमह्न उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा ह्यमहंगा विकल्पह्न बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है। वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है।

बेआवाजों की आवाज ही निशाने पर : जवाबदेही किसकी?

- निमिषा सिंह

पत्रकारिता एक ऐसा पेशा जो अंततः निर्भर करता है इस एक सवाल पर ...हम आपके लिए क्या कर सकते हैं? हम पत्रकार उन लोगों की आवाज बनते है जिनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा होता है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ने में सशक्त बनाते हैं। सूचना के प्रसार के साथ साथ हम मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर करते है जिससे जवाबदेही तय करने में मदद मिलती है किन्तु बात जब पत्रकारो की सुरक्षा और उनके मानवाधिकार पर प्रहार की हो तो जवाबदेही किसकी? निसंदेह मजूदा समय में पत्रकारिता उच्च जोखिम और कम वेतन वाली नौकरियों का पर्याय बन गई है। कार्यदिवसों और साप्ताहिक अवकाशों के मामले में काम करने की परिस्थितियाँ और निरंतर मिल रही धमकियां यकीनन हमारे लिए अप्रिय होती हैं बावजूद इसके हम डटकर सच के साथ खड़े हैं पर आखिर कब तक? ज्ञात हो कि पिछले दस वर्षों में देश में पत्रकारों पर हमलों और हत्याओं के नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। सच्चाई और सच बोलने वालों को निरंतर निशाना बनाया जा रहा है । इस विषय के गंभीरता को देखते हुए गत सप्ताह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 30 अगस्त 2025 को केरल एवं मणिपुर तथा 21 सितंबर 2025 को त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर तीन पत्रकारों पर हुए जानलेवा हमले के बारे में मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया और इसी क्रम में तीनों राज्यों के पुलिस महानिदेशकों से दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा। ज्ञात हो कि त्रिपुरा में एक पत्रकार पर कुछ बदमाशों ने लाठियों और धारदार हथियारों से उस समय हमला किया जब वह पश्चिमी त्रिपुरा के हेजामारा इलाके में एक राजनीतिक दल के वस्त्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। मणिपुर में सेनापथी ज़िले के लाई गांव में एक पुष्प उत्सव की कवरेज के दौरान एक पत्रकार पर एयर गन से दो बार गोली मारी गई। केरल में थौदुपुझा के पास मंगट्टुकवाला में एक पत्रकार पर लोगों के एक समूह ने हमला किया।अफसोस कि इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में पत्रकारों पर कई जानलेवा हमले हुए लेकिन राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने उनका कोई संज्ञान नहीं लिया था। खैर देर से ही सही किसी ने तो पत्रकारों की सुध ली। कहते है कि जब पत्रकार सच्चाई के लिए खड़े होते हैं, तो दुनिया उसके साथ खड़ी हो जाती है। अब यह सब बातें सिर्फ सुनने में ही अच्छी लगती है। सच्चाई तो यह है कि कई पत्रकार जान का खतरा देखते हुए संवेदनशील मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने से अब पीछे हटने लगे हैं। दुनिया भर में पत्रकारों की असुरक्षा के आंकड़े काफी चिंताजनक हैं। ह्यकमिटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्सह्न के अनुसार, 1992 से अब तक 1400 से अधिक पत्रकारों की हत्या कर दी गई। उनमें से 890 से अधिक पत्रकारों के किसी भी हत्यारे को कभी न्याय के कटघरे में लाया तक नहीं गया। दोषियों पर कार्रवाई नहीं किया जाना उन्हें दंड से मुक्ति देने के ही समान है। पिछले कुछ दशकों में भारत में बड़ी संख्या में पत्रकारों की हत्या हुई जिनमें पिछले 20 वर्षों (2003-2022) में 1668 पत्रकारों की मौत दर्ज की गई है जो औसतन प्रति वर्ष 80 की दर से है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की 2025 की रिपोर्ट में भारत की स्थिति पर कही गई टिप्पणी में लिखा है कि 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत की मीडिया एक अनौपचारिक आपातकाल की स्थिति में आ गई है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में सराहना मिलेगी। जीवनसाथी के साथ निजी संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

वृषभ आज किस्मत का आपका पूरा साथ मिलेगा और कारोबार विस्तार के नए अवसर भी सामने आएंगे।

मिथुन परिवार और दोस्तों से अपेक्षित सहयोग न मिलने से निराशा संभव है।

कर्क कर्क राशि के जातकों का परिवार और कार्यक्षेत्र में दृष्टिकोण सकारात्मक रहेगा।

सिंह आज दूसरों से अधिक अपेक्षाएं न रखें। कार्यक्षेत्र में निर्णय लेते समय स्पष्ट सोच आवश्यक है।

कन्या आज आपके आस-पास के माहौल में तेजी से बदलाव देखने को मिलेगा।

तुला लंबे समय से चल रही कोई परियोजना आज के दिन पूरी होने से आपको राहत मिलेगी।

वृश्चिक आज ऊर्जावान रहेंगे और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे।

धनु कोई मिथुन राशि का व्यक्ति आपके जीवन में नई प्रसन्नता लेकर आएगा।

मकर आत्मचिंतन और ध्यान से नई दिशा मिलेगी। इस दौरान अत्यधिक भावुकता से बचें ।

कुंभ दिन थोड़ा सावधान रहना होगा। छोटी सी लापरवाही से कोई सुनहरा मौका हाथ से निकल सकता है।

मीन दिन आत्मविश्वास बनाए रखना होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मकता की सराहना होगी।

विशेष

चुनाव आयोग के खिलाफ अब जमीनी लड़ाई?

केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट की सर-परस्ती होने के कारण राजनीतिक दलों और आम जनता का विश्वास चुनाव आयोग पर पूरी तरह से खत्म हो गया है ।जनता अब सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ने के स्थान पर जमीनी स्तर पर लड़ाई लड़ने की बात करने लगी है। राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन भी आंदोलन करने लगे हैं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, सरकार द्वारा बनाए गए कानून तथा एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केवल तारीख पर तारीख देने का काम किया है। चुनाव याचिकाओं पर भी कछुआ के चाल की तरह सुनवाई हो रही है। न्यायपालिका से न्याय नहीं मिल रहा है। अब जनता स्वयं न्याय करने की मुद्रा में आ गई है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं और लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। जनता के पास अब और कोई विकल्प भी नहीं रह गया है। ऐसा लोगों का कहना है।

बिहार के चुनाव में कर्पूरी ठाकुर?

बिहार विधानसभा के चुनाव में कर्पूरी ठाकुर एक बड़ा मुद्दा बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी ठाकुर की प्रशंसा की। 1978 में आरक्षण के मुद्दे पर सहयोगी दल जनसंघ ने कर्पूरी ठाकुर की सरकार से समर्थन वापस लेकर सरकार को गिरा दिया था। अब भाजपा उनके गुण गा रही है। बिहार में विधानसभा का चुनाव जो है। विपक्षी दल भाजपा के चरित्र को उजागर कर रहे हैं। इस चुनाव में कर्पूरी ठाकुर का जिस तरह से उपयोग सत्ता पक्ष विपक्ष कर रहा है ।वह देखने लायक है। राजनीति में जो वोट दिलाने मैं सक्षम होता है।

कार्टून कोना

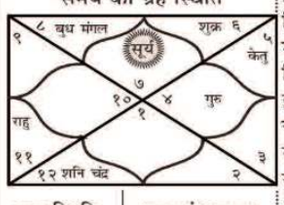


आज का इतिहास

1483: बैंकिंघम के ड्यूक को मौत के घाट उतार दिए गए। 1534: सिख गुरू रामदास का जन्म। 1774: राबर्ट क्लाइव ने इंग्लैंड में आत्महत्या कर ली। 1841: ब्रिटिश सेना के अधिकारियों की हत्या के बाद दूसरा अफगान युद्ध शुरू हुआ। 1955: डेविड बेन गुरियन ने इजरायल में सरकार का गठन किया। 1956: हंगरी वारसा संधि से अलग हुआ। 1964: सऊदी अरब में शाह फैजूल गद्दी पर बैठे। 1988: श्रीलंका सरकार ने पूरे देश में रात्रिकालीन कर्फ्यू लागू किया था। 1990 :अयोध्या में हुई गोलीबारी में 18 मरे। 1991: यूगोल्साव सेना ने क्रोएशिया पर नए सिरे से हमला किया। 1992 :बास्केटबॉल के जाने माने खिलाड़ी मैजिक जानसन ने अवकाश ग्रहण करने की दोबारा घोषणा की। 1994: मिस्त्र में एक तेल टैंकर में हुए विस्फोट से चार सौ से अधिक लोग मारे गए।

दैनिक पंचांग

2 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.15 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	09.31 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.36 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.22 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.55 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.26 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.04 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.17 बजे से
		सिंह	00.33 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कन्या	02.45 बजे से
		तुला	04.56 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 306 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि एकादशी 07.32 बजे तदनन्तर द्वादशी 05.08 बजे प्रातः को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 17.04 बजे को समाप्त। योग व्याघात 23.10 बजे को समाप्त। करण विष्टि 07.32 बजे, बव 18.25 बजे तदनन्तर बालव 05.08 बजे प्रातः को समाप्त। चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 45'
सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872516
जूलियन दिन 2460981.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल तारीख 10
विशेष गौण देवउत्थान एकादशी, वैष्णव उत्थान

संक्षिप्त समाचार

रामदास दा के विकास के सपनों को आगे बढ़ाने के लिए सोमेश को जीत दिलाएं: कल्पना सोरेन

घाटशिला, एजेंसी। झारखंड में घाटशिला उपचुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों का चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इसी क्रम में इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में चुनावी सभा में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन शामिल हुईं। कल्पना मुर्मू सोरेन ने सोमेश सोरेन के समर्थन में घाटशिला विधानसभा के गालूडी आंचलिक मैदान और गुराबंदा प्रखंड में चुनावी सभा को संबोधित किया। चुनावी सभा में कल्पना सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन और दादा रामदास सोरेन का असमय चला जाना झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दादा रामदास सोरेन घाटशिला विधानसभा को झारखंड का सबसे विकसित विधानसभा बनाना चाहते थे। चाहे वह रोजगार की क्षेत्र में हो या शिक्षा के क्षेत्र में या फिर स्वास्थ्य क्षेत्र में। उन्होंने झारखंड के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की थी, ताकि गरीब जनता के बच्चे भी फर्राटेदार इंग्लिश पढ़ सकें और बोल सकें और अपने जीवन स्तर को सुधार कर सकें। इसलिए उन्होंने स्कूल का प्रस्ताव भी रखा था। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के लिए ट्राइबल यूनिवर्सिटी का भी सपना देखा था। वहीं रोजगार की बात करें तो गुराबंदा स्थित घने जंगल में पाए जाने वाले दुनिया के सबसे कीमती पन्ना पत्थर की खदान भी खोलने के पक्ष में थे। उन्होंने इसके लिए सरकार से कई बार सर्वे भी कराया था। अब वह काम भी प्रक्रिया में चल रही है। उम्मीद है कि जल्द ही गुराबंदा के लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही बंद पड़े हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के सुरदा, राखा, केन्दाडीह खान को लीज दिलाने का काम किया और अब वहां पर हजारों लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दादा रामदास सोरेन का जाना घाटशिला विधानसभा की जनता के लिए दुख की घड़ी थी। उन्होंने कहा कि रामदास सोरेन के विकास के सपनों को आगे ले जाना है तो उनके पुत्र सोमेश सोरेन को अपना बहुमत वोट देकर जीत दिलाएं। वहीं दिवंगत रामदास सोरेन की पत्नी सूरजमुनि सोरेन ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने नाम आंखों से क्षेत्र की जनता से कहा कि रामदास सोरेन के बेटे सोमेश सोरेन को अपना बहुमूल्य वोट देकर जीत दिलाएं। उन्होंने कहा कि पहले ही मैंने अपने पति को घाटशिला के लोगों के लिए समर्पित किया था, आज फिर से मैं अपने बेटे को आपके हवाले करती हूं। चुनावी सभा में मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, सांसद विजय हांसदा, विधायक मथुरा महतो, विधायक सविता महतो, मंत्री दीपक बीरुआ, मंत्री सुदिव्य सोनू सहित कई गणमान्य मौजूद थे। सभी ने कहा कि घाटशिला विधानसभा में तीर-धनुष ही चलेगा और भारी से भारी अंतर से सोमेश सोरेन की जीत होगी।

खूंटी में थाना प्रभारी की पिटाई मामला: छह आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने कराई परेड

खूंटी , एजेंसी। जिले के रनिया थाना क्षेत्र के लोहागड़ा में थाना प्रभारी की पिटाई मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। साथ ही मारपीट में इस्तेमाल लकड़ी, खून लगा पत्थर का टुकड़ा, शराब की बोतल और आरोपियों के कपड़े भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में बसिया थाना क्षेत्र के 20 वर्षीय सुखदेव झोरा उर्फ भोको, रनिया क्षेत्र के जापुद झोरा टोली निवासी 24 वर्षीय सनेतर झोरा उर्फ सोनू, डीगरी निवासी 45 वर्षीय जगतपाल सिंह उर्फ चौठा, डीगरी निवासी 32 वर्षीय मेलानियूस होरो, डीगरी निवासी 66 वर्षीय मार्शल कोनगाड़ी और रनिया कनकलोया निवासी 42 वर्षीय महिला पूनम भेंगरा शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने से पहले गठित टीम ने रनिया इलाके में परेड कराया गया। रनिया थाना से निकाल कर रनिया बाजार सहित आसपास के इलाकों में सभी आरोपियों का परेड हुआ, जिसमें आरोपी माफी मांग रहे थे। साथ ही दोबारा ऐसी घटना नहीं करने की बात कह रहे थे। बता दें कि 2 नवंबर को लोहागड़ा में डाईर मेले के दौरान थाना प्रभारी के साथ मारपीट की गई थी। जिसमें थाना प्रभारी घायल हो गए थे। मामले में 2 नामजद लोगों के साथ 40 से 50 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। थाना प्रभारी के साथ हुई मारपीट मामले की जांच तपकरा, तोरपा और रनिया पुलिस की टीम कर रही थी। टीम ने वायरल वीडियो, तकनीकी सहायता और गुप्त जानकारी के आधार पर इस कांड में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लगातार विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। मारपीट मामले की हर एंगल से जांच करने के बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकारा कि उन्होंने नशे की हालत में थाना प्रभारी को मारा था और जवानों के हथियार लूटने का प्रयास किया था। एसपी ने बताया कि पीछे से 'मारो-मारो, पुलिस वालों को मार कर फेंक दो' कहने वाले की तलाश जारी है। खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मारपीट घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मारपीट मामले में अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जमशेदपुर में ठंड ने पकड़ी रफ्तार, तेजी से गिर रहा तापमान, 11 नवंबर तक 13 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

जमशेदपुर, एजेंसी। चक्रवाती तूफान मोंथा के बाद जमशेदपुर में ठंड ने रफ्तार पकड़ ली है। बुधवार से शहर में ठंड के तेवर और तेज दिखने लगे हैं। सुबह-शाम धुंध बढ़ गया है और रात आठ बजे के बाद भी कई क्षेत्रों में कोहरा साफ देखा जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, इस हफ्ते तापमान में लगातार गिरावट दर्ज होती रहेगी। बुधवार को शहर का न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का दावा है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान तेजी से गिरेगा और 11 नवंबर तक यह घटकर करीब 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, इस साल नवंबर में तापमान का ट्रेंड सामान्य से कुछ ज्यादा नीचे जा सकता है। चक्रवाती तूफान के गुजरने के बाद आमतौर पर हवा का दबाव बदलता है।

जमीन पर नमी, हवा की दिशा और क्लियर स्काई के कारण रात में तापमान तेजी से नीचे गिरता है। हवा उत्तरी दिशा से साफ और सूखी आने लगेगी जिससे सुबह के समय ठंड ज्यादा महसूस होगी। दिन में थोड़ी धूप रहेगी लेकिन



शाम के बाद ठंड और कोहरा तेज होगा।

मौसम विभाग के अनुसार इस बार मानसून के बाद संक्रमणकालीन मौसम लंबा रहा। अक्टूबर में नमी बनी रही और उसके बाद अचानक साफ आसमान और उत्तरी हवा के कारण तापमान तेजी से नीचे जाने लगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक, शहर में पिछले तीन सालों के मुकाबले इस बार नवंबर में न्यूनतम तापमान कम रहने की संभावना है। पिछले वर्ष नवंबर के पहले पखवाड़े में तापमान 15 से 17 डिग्री रहता था, लेकिन इस बार 11 तारीख से पहले ही यह 13 डिग्री तक गिरने का अनुमान है। इससे लोगों को अचानक ठिठुरन वाली ठंड महसूस होगी।

धुंध और कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो जाएगी। सड़कों पर खतरा बढ़ सकता है। वाहन चालक रात के समय और सुबह 6 से 8 बजे के दौरान अधिक सतर्क रहें। शहर में वाहनों की संख्या ज्यादा होने के कारण अचानक कोहरा दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। खासकर हाइवे व बाहरी इलाकों में दृश्यता तेजी से घटेगी।

लोगों को बचाव के लिए क्या करना चाहिए

महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कालेज अस्पताल के उपाधीक्षक डा. नकुल चौधरी कहते हैं कि सुबह और देर शाम बाहर निकलने पर गले और छाती को ढंककर रखें। ठंड में अचानक तापमान गिरने से वायरल, जुकाम, खांसी, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और आर्थराइटिस के मरीजों की समस्या बढ़ सकती है।

चाय-काफी पर अत्यधिक निर्भरता से बचें, हर्बल काढ़ा, गुनगुना पानी और विटामिन युक्त खाद्य पदार्थ लें। घरों में बुजुर्गों और बच्चों को खास ध्यान रखना चाहिए। बच्चों को रात में ऊनी कपड़े, मोजे और सिर ढककर रखना सबसे जरूरी माना गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले पांच से छह दिनों तक रोजाना तापमान में गिरावट का असर बने रहने की संभावना है।

इस बार सर्दी अपनी पूरी ताकत से असर दिखाएगी

चक्रवात के बाद जमशेदपुर में ठंड की एंट्री सामान्य से ज्यादा तेज तरीके से हो चुकी है। तापमान में लगातार गिरावट शहर के लिए आने वाले दिनों में चुनौती भी है और सावधानी भी जरूरी है। 11 नवंबर से पहले ही 13 डिग्री के आसपास पहुंचने का अनुमान यह संकेत है कि इस बार सर्दी अपनी पूरी ताकत से असर दिखाएगी।

रांची सेंट्रल जेल से बाहर आया कैदियों का डांस वीडियो, डांस कर रहे कैदियों में एक शराब तो दूसरा जीएसटी घोटाला आरोपी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के होटवार स्थित भगवान बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद दो कैदियों के डांस का वायरल वीडियो सामने आया है। जो दो कैदी डांस करते नजर आ रहे हैं, उनमें एक शराब घोटाले का आरोपी विधु गुप्ता है। जबकि दूसरा कैदी जीएसटी घोटाले का आरोपी विक्की भालोटिया है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है।

वायरल वीडियो को जेल में स्थित एक हॉल का बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह वीडियो कुछ दिन पहले का है। हाफ पैंट व टीशर्ट पहने दोनों आरोपी लगातार ठुमका लगा रहे हैं। वीडियो में अगल-बगल कुछ आदमी भी दिखाई दे रहा हैं, जो डांस करते हुए आरोपियों को लगातार देख रहे हैं। हॉल में ही एक व्यक्ति कुर्सी पर बैठकर खाना भी खा रहा है। इस दौरान दो आरोपी लगातार रिएक्शन देते हुए डांस किए जा रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद जेल महकमे में हड़कंप मंच गया। जेल प्रशासन ने आनन-फानन में वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई की। जेल आईजी के निर्देश पर जेलर देवनाथ राम और जमादार विनोद कुमार की लापरवाही मानते हुए दोनों को बुधवार देर शाम निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही दिनेश वर्मा को नया जेलर बनाया गया है। उन्हें तत्काल नव पदस्थापित स्थान पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

नीति आयोग का 7 नवंबर को रांची में क्षेत्रीय सम्मेलन, पद्मश्री मधुर मंसुरी को भी मिला है आमंत्रण

रांची, एजेंसी। नीति आयोग और भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा झारखंड सरकार के सहयोग से 7 नवंबर को पीवीटीजी ब्लॉक में सेवा प्रदायन एवं जीविका संवर्धन विषय पर विशेष क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। झारखंड मंत्रालय के परियोजना भवन में आयोजित होने वाले इस क्षेत्रीय सम्मेलन में झारखंड के अलावा ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ और पीवीटीजी ब्लॉकों में कार्यरत संस्थानों के साथ मिलकर अपना अनुभव साझा करेंगे और आगे की कार्ययोजना बनाएंगे।

नीति आयोग और भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 7 नवंबर को आयोजित होने वाले इस क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए झारखंड आंदोलनकारी, नागपुरी लोक गायक पद्मश्री मधु मंसुरी हंसमुख को भी आमंत्रित किया गया है। उन्हें भेजे गए आमंत्रण पत्र में नीति आयोग के एडिशनल सेक्रेट्री रोहित कुमार में लिखा है कि आप देश के प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मानित हस्तियों में से एक हैं और समाजसेवा के साथ साथ जनकल्याण के क्षेत्र में आपका योगदान प्रेरणास्रोत रहा है, आपकी उपस्थिति और मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को प्रेरणा और सही दिशा मिलेगी।

अपनी बात को सेमिनार में जरूर रखेंगे: मधु मंसुरी हंसमुख : नीति आयोग और जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा पीवीटीजी पर क्षेत्रीय सेमिनार में भाग लेने के लिए न्योता दिए जाने की बात स्वीकारते हुए लोकप्रिय नागपुरी गायक पद्मश्री मधु मंसुरी हंसमुख ने कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के लिये सरकार योजनाएं तो बनाती है, लेकिन वह सही से धरातल पर नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि गांव कस्बे से हल बैल समाप्त होते जा रहे हैं और ट्रेक्टर की एंट्री हुई है, लेकिन हर किसी के पास ट्रेक्टर तो नहीं है। ऐसे में ग्रामीण इलाके में रहने वाले किसान खासकर जनजातीय और मूलवासियों की समस्याएं बढ़ी ही हैं।

झारखंड के 200 किसानों के जीवन में बदलाव लाने का टारगेट, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिया टास्क

रांची, एजेंसी। झारखंड के 200 किसानों के जीवन में बदलाव लाने की कोशिश की जाएगी। यह काम कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को करना है। इसके साथ ही उन किसानों की लिस्ट तैयार करनी है, जिनके जीवन में बदलाव लाया गया हो। ये टास्क राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य के अधिकारियों को दी है।

मंगलवार को बीएयू में आयोजित राज्य स्तरीय रबी कर्मशाला 2025-26 को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि रबी फसल से संबंधित



जानकारी को हर किसान तक पहुंचाना है ताकि अधिक पैदावार की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके। राज्य स्तरीय कर्मशाला में कृषि वैज्ञानिकों ने बदलते मौसम के साथ कृषि के क्षेत्र में बदलाव और रबी फसल से हुए नुकसान की भरपाई की जानकारी दी।

कृषि मंत्री ने कहा कि इस साल अतिवृष्टि से किसानों का नुकसान 25 से 30% तक दिख रहा है। यह बढ़कर 40 प्रतिशत तक भी पहुंच सकता है। ऐसे में अधिकारियों को किसानों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी होगी। विभाग के अंदर अधिकारियों के आपसी सामंजस्य से किसानों की परेशानियों को कम किया जा सकता है। बिरसा फसल बीमा से आच्छादित किसानों को मुआवजा राशि दिलाने से लेकर फसल बीमा का लाभ नहीं लेने वाले किसानों को आपदा प्रबंधन से मुआवजा दिलाने में अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। फसल नुकसान की रिपोर्ट अंचल से जिला मुख्यालय तक जल्द से जल्द पहुंचे, इसके लिए अधिकारी तत्परता दिखाएं।

झारखंड में केसीसी के लाभुकों की संख्या बढ़ाने के लिए भी अधिकारियों को विशेष पहल करने की जरुरत पर बल दिया गया है। विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्दीखी ने कहा कि रबी फसल की बात हो या खरीफ फसल की, किसानों के लिए निश्चित कैलेंडर होना जरूरी है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने झामुमो प्रत्याशी के पक्ष में किया चुनाव प्रचार

रांची, एजेंसी। झारखंड में घाटशिला उपचुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों का चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इसी क्रम में झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि घाटशिला की जनता फिर एक बार इतिहास रचने जा रही है।

गठबंधन सरकार के काम पर जनता लगाएगी मुहर: शिल्पी नेहा तिर्की : घाटशिला उपचुनाव में प्रचार का पहिया तेज होता चला जा रहा है। चुनावी समर में महागठबंधन एकजुटता के साथ प्रचार-प्रसार में जुटा है। इसी क्रम में घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने महागठबंधन की ओर से जेएमएम उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में प्रचार किया।

हमने जनकल्याण को दी पहली प्राथमिकता: कृषि मंत्री : कृषि मंत्री ने घाटशिला राज स्टेट भुइया पाड़ा, घाटशिला बाजार, काशीदा आदिवासी टोला, मुसाबनी, मोहोल बेड़ा समेत दूसरे ग्रामीण इलाकों में सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में प्रचार किया। चुनाव प्रचार के दौरान कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड में चल रही हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार में जन कल्याण प्राथमिकता में



रहा है।

हमारे काम पर फिर जनता जताएगी भरोसा : कृषि मंत्री ने बताया कि हमारे काम पर जनता एक बार फिर अपना भरोसा जताएगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार बोलने में नहीं बल्कि जनता का काम करने में विश्वास करती है। राज्य में किसानों को ऋण माफी योजना, 200 यूनिट बिजली फ्री, मंईयां सम्मान योजना, सावित्री बाई फुले योजना समेत दूसरी जन कल्याणकारी योजना इसका प्रमाण है।

रामदास सोरेन के विजन को करना है पूरा : कृषि मंत्री ने आगे कहा कि घाटशिला की जनता के साथ पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का अटूट रिश्ता था। जनता के प्रति उनका समर्पण और क्षेत्र के विकास के लिए उनके विजन को नहीं भुलाया जा सकता है। जनता इस उपचुनाव में एनडीए के झांसे में नहीं आने वाली है। शिक्षा मंत्री रहे रामदास सोरेन के राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए 11 नवंबर को महागठबंधन के पक्ष में अपना मतदान करेगी।

इस दौरान चुनाव प्रचार में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के साथ नगर विकास सह पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन, राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विधायक हेमलाल मुर्मू, पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी समेत गठबंधन दल के नेताओं ने मंच साझा किया।

आईएमएफए ने 610 करोड़ में खरीदा टाटा स्टील का प्लांट, फेरो-क्रोम उत्पादन में बनी भारत की सबसे बड़ी कंपनी

जमशेदपुर, एजेंसी। स्टेनलेस स्टील के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल, फेरो-क्रोम के उत्पादन में देश की अग्रणी कंपनी इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज लिमिटेड (इंफा) ने एक ऐतिहासिक सौदे में टाटा स्टील के कलिंगानगर, ओडिशा स्थित फेरो-क्रोम प्लांट का अधिग्रहण कर लिया है।

यह सौदा 610 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर हुआ है, जिसका भुगतान इंफा अपने आंतरिक संसाधनों से करेगी। इस अधिग्रहण के साथ ही इंफा भारत की सबसे बड़ी और विश्व की छठी सबसे बड़ी फेरो-क्रोम उत्पादक कंपनी बन गई है।

यह महत्वपूर्ण सौदा अगले तीन महीनों के भीतर सभी नियामकीय मंजूरियों के बाद पूरा होने की उम्मीद है। इस अधिग्रहण से इंफा की भट्टी क्षमता में 99 एमवीए की भारी वृद्धि होगी, जिसमें 66 एमवीए की क्षमता पहले से ही चालू है और 33 एमवीए निर्माणाधीन है। इस क्षमता विस्तार के बाद कंपनी की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 0.5 मिलियन टन (पांच लाख टन) को पार कर जाएगी।

रणनीतिक विस्तार और लागत में कमी : कलिंगानगर में 115 एकड़ में फैला यह प्लांट इंफा के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। वर्तमान में, इस संयंत्र में चार भट्टियां हैं, जिनकी वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग एक लाख टन है। पांचवीं भट्टी के चालू होने पर यह क्षमता बढ़कर डेढ़ लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी। यह संयंत्र इंफा की अपनी कैप्टिव क्रोम अयस्क खदानों के पास स्थित है, जिससे कंपनी को परिचालन तालमेल और लागत में उल्लेखनीय बचत की उम्मीद है।

इंफा के प्रबंध निदेशक, सुभ्रकांत पांडा ने इस सौदे को कंपनी के लिए परिवर्तनकारी बताया है। उन्होंने कहा, यह अधिग्रहण हमारी विस्तार योजनाओं को तेज करेगा। हमारे चल रहे ग्रीनफील्ड विस्तार के साथ, यह हमारी कुल स्थापित क्षमता को पांच लाख टन से आगे ले जाएगा, जिससे हम घरेलू बिक्री पर विशेष ध्यान देने के साथ अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ा सकेंगे, खासकर ऐसे समय में जब भारत के तेज आर्थिक विकास के कारण फेरो-क्रोम की मांग बढ़ रही है।

कोडरमा में मजदूर की मौत पर हंगामा :परिजनों ने मुआवजे और नौकरी की मांग पर केटीपीएस गेट किया जाम

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र स्थित केटीपीएस (बांझेडीह पावर प्लांट) में बुधवार को हुए एक हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। इसके विरोध में गुरुवार को मृतक प्रकाश यादव के परिजनों ने केटीपीएस के गेट नंबर 01 को जाम कर दिया। वे मुआवजे की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सीटू नेता विजय पासवान ने बताया कि यह हादसा प्लांट और कोयला खाली करने वाले रेक पॉइंट पर सुरक्षा मानकों की कमी के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि प्रकाश यादव की आकस्मिक मौत से पूरा परिवार सदमे में है।

पीड़ित परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी डीवीसी की: सीटू

विजय पासवान ने बताया कि प्रकाश यादव अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। वह अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चे छोड़ गया है। ऐसे में उनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी डीवीसी की बनती है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि डीवीसी मृतक के परिजनों को 20 लाख रुपए का मुआवजा दे और परिवार के एक सदस्य को नौकरी प्रदान करें। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्लांट के अंदर 24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा और केटीपीएस अस्पताल में सुधार की भी मांग की है ताकि मरीजों को तत्काल बेहतर उपचार मिल सके। मुआवजा सहित जरूरी सहायता प्रदान की जाएगी:- एचओपी



इधर, मामले की सूचना मिलते ही केटीपीएस के हेड ऑफ प्लांट सह मुख्य अभियंता मनोज ठाकुर धरनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से बात की और उचित मुआवजा देने की भी बात कही। उन्होंने बताया कि मृतक के प्रति उनकी गहरी संवेदना है, यह दुर्घटना काफी दुखदाई है। वहीं, उन्होंने कहा कि डीवीसी के नियमानुसार जो भी मुआवजा का प्रावधान है, वो मृतक के परिजनों को दिया जाएगा। इसके अलावे मृतक के किसी एक आश्रित को नौकरी भी दी जाएगी। उन्होंने बुधवार को हुई घटना के बाद एम्बुलेंस के देर से पहुंचने की बात पर कहा कि प्लांट के अंदर 24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध है। जानकारी के अभाव के कारण लोग एम्बुलेंस को सूचित नहीं कर पाए होंगे। प्लांट के अंदर अवस्थित अस्पताल में आधुनिकता लाने की बात पर उन्होंने कहा कि इसके लिए विभाग को लगातार पत्राचार किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही इस ओर पहल होगी।

क्या थी घटना : बताते चलें कि बुधवार की सुबह कोयला लदी मालगाड़ी को खाली करने के लिए प्लांट के अंदर बने रैक पॉइंट पर 35 वर्षीय प्रकाश यादव की मालगाड़ी के बोगी को अलग करने के दौरान हॉस पाइप खोलने के क्रम में हादसा हो गया था। इससे प्रकाश के चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं।

इसके बाद एम्बुलेंस के देर से पहुंचने के कारण घायल प्रकाश को अस्पताल पहुंचाने में देर हुई और उसकी हालत और बिगड़ गई थी। इसके बाद उसे रांची रेफर किया गया था। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई थी। इधर, मुख्य अभियंता के आश्वासन के बावजूद मुआवजे की राशि मिलने तक मजदूर के परिजन व मजदूर नेता केटीपीएस के गेट पर अड़े हुए हैं।

गुमला में बोलेरो और ट्रक में भीषण टक्कर, दो की मौत

गुमला, एजेंसी। गुमला के कामडारा-खूंटी-सिमडेगा मुख्य पथ पर पोकला बाजार टांड़ के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कामडारा सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया।

मुरहू के दो युवकों की मौके पर ही मौत

कामडारा थानेदार शशिप्रकाश ने बताया कि हादसे के शिकार सभी लोग खूंटी जिले के रहने वाले हैं और रामरेखा मेला देखकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बोलेरो चालक को झपकी आने के कारण उसकी बोलेरो (संख्या छ॥01ल्ल5443) सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खूंटी जिले के मुरहू थाना क्षेत्र के हासा गांव निवासी 40 वर्षीय शिवदत्त मांझी और हसगंज गांव निवासी अनुज की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी मच गई।

घायलों की हालत गंभीर

हादसे में घायल हुए लोगों में प्रभाष कुमार, रेवा गांव निवासी अमित महतो और चंद्रू राम, जामुआदाग निवासी सुनील कुमार तथा मुरहू के बांदे गांव निवासी रंजीत महतो शामिल हैं। इनमें प्रभाष कुमार की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। घटना की सूचना पर कामडारा थानेदार शशिप्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। राहत कार्य शुरू कराया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो और ट्रक को जब्त कर लिया है तथा पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।





सर्दियों में ब्लड फ्लो बढ़ाने के लिए करें ये काम

ठंड के दिनों में बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है, जिसके वजह से हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। यह कारण हार्ट अटैक का सबब भी बन सकता है। इसलिए ब्लड फ्लो को बढ़ाने के लिए ये उपाय करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

आपके बॉडी के सभी अंगों को सही तरह से काम करने के लिए ऑक्सीजन युक्त ब्लड की आवश्यकता होती है। जिसकी पूर्ति आपकी बॉडी में मौजूद 60 हजार खून की नलियों के जरिए हार्ट करता है। लेकिन जब आपका सर्कुलेशन खराब होता है, तो ब्लड फ्लो धीमा या अवरुद्ध हो जाता है। जिससे आपके शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीजन और वे सभी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं जिनकी उन्हें जरूरत होती है। खराब सर्कुलेशन की दिक्कत तब होती है जब नसों में गंदा फैट जमा हो जाता है, खून का थक्का बनने लगता है या खून की नसें सिकुड़ने लगती है। वैसे तो ये सभी कारण आपकी मेडिकल कंडीशन या खराब जीवनशैली का परिणाम होते हैं। लेकिन ठंड के दिनों में आमतौर पर नसें सिकुड़ने लगती है। जो कुछ मामलों में स्ट्रोक या हार्ट अटैक का कारण भी हो सकती है। इसलिए खराब सर्कुलेशन के लक्षण दिखते ही इसमें सुधार के उपायों को करना फायदेमंद साबित हो सकता है।

खराब ब्लड सर्कुलेशन के लक्षण

- चलने से मांसपेशियों में दर्द
- त्वचा में झुनझुनी
- त्वचा का रंग पीला या नीला
- उंगलियां का ठंडा पड़ना
- छाती में दर्द
- नसों में सूजन

धूम्रपान से करें परहेज

सिगरेट, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और धुंआ रहित तंबाकू में निकोटिन मौजूद होता है। जो आपकी खून की नसों की दीवारों को हानि पहुँचाता है और आपके खून को इतना गाढ़ा कर देता है कि वह अच्छी तरह बह नहीं पाता है। ऐसे में यदि आप धूम्रपान करते हैं, तो छोड़ दें।

ब्लड प्रेशर को रखें कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर धमनियों की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। जब आहार से वसा ब्लड फ्लो में प्रवेश करते हैं, तो वे क्षतिग्रस्त धमनियों में जमा होने लगते हैं। जिससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट पैदा होने लगती है।

बॉडी को हाइड्रेट रखें

खून लगभग आधा पानी से बना होता है। इसलिए आपको इसे बहने योग्य बनाए रखने के लिए हाइड्रेटेड रहने की जरूरत है। एक दिन में 8 गिलास पानी का लक्ष्य रखें। यदि आप व्यायाम करते हैं, तो अधिक मात्रा में पानी का सेवन करें।

खूब खाएं प्लांट बेस्ड फूड

ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाए रखने के लिए हेल्दी फूड का सेवन बहुत जरूरी होता है। ऐसे में बहुत सारे फल और सब्जियां खाएं। संतृप्त वसा से दूर रहें जो लाल मांस, चिकन, पनीर और अन्य एनिमल बेस्ड फूड में पाया जाता है। इसके साथ ही ज्यादा नमक के सेवन से बचें। यह आपके हेल्दी वेट को बनाए रखने और आपके कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के साथ आपकी धमनियों को साफ रखता है।

नहाने के लिए इस्तेमाल करें गर्म पानी

हालांकि गर्म पानी से बाथ ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करने का एक अस्थायी उपाय है, लेकिन स्नान आपके सर्कुलेशन को किक-स्टार्ट करने का एक शानदार तरीका है। गर्म पानी आपकी धमनियों और नसों को थोड़ा चौड़ा कर देता है, जिससे ब्लड फ्लो अच्छे से होता है। इसके अलावा गर्म पानी या चाय भी आपकी नसों को खोलने का काम करती है।

सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाती व्हिस्की टी

सुबह की चाय पूरे दिन के लिए एनर्जी डोज की तरह होती है, जिसके बिना कुछ लोगों का दिन ही शुरू नहीं होता। वहीं, सर्दियों का मौसम भी चाय की चुस्कियों के बिना अधूरा ही लगता है लेकिन चाय में मौजूद कैफीन सेहत के लिए हानिकारक होता है। ऐसे में क्यों ना इस हेल्ड चाय पीकर सेहत व दिन को बेहतर बनाया जाए। आज हम आपको व्हिस्की टी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बनती तो आम चाय की तरह ही लेकिन यह सेहत को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती।

एल्कोहलिक नहीं सेहत के लिए फायदेमंद

वैसे आपको ये भी बता दें कि इस चाय को पीने से आपको कोई नशा होगा क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाली व्हिस्की नॉन एल्कोहलिक होती है। हालांकि इसका स्वाद थोड़ा अलग होता है लेकिन यह सेहत को नुकसान की बजाए फायदा पहुंचाती है। व्हिस्की-टी पीने के फायदे -

सर्दी-जुकाम से राहत

सर्दी के मौसम में ठंडी हवा के कारण खांसी व जुकाम की समस्या आम देखने को मिलती है। व्हिस्की में मौजूद फायटोकेमिकल्स और अन्य पोषक तत्व सर्दी-जुकाम व दूसरे संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं।

हाइपरटेंशन से निजात

इसमें पाए जाने वाला क्वेरसेटिन नाम का पिग्मेंट, ब्लड क्लॉट बनने से रोकता है, जिससे हाइपरटेंशन का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

अनिद्रा की समस्या

अगर आपको नींद न आने की समस्या तो रोजाना सोने से पहले इस चाय का सेवन करें। इसेस आपको अच्छी व गहरी नींद आएगी।

पेट से जुड़ी परेशानियां

इस चाय में पाए जाने वाले तत्व पेट जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी, पेट दर्द और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करता है। इसके अलावा रोज इसकी चाय पीने से पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है।

वजन कंट्रोल करने में मददगार

अन्य चाय में कैफीन की मात्रा अधिक होने के कारण वह वजन बढ़ाने का काम करती है लेकिन यह चाय बिल्कुल फैट फ्री है। ऐसे में अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो इस चाय को डाइट में जरूर शामिल करें।

तनाव या टेंशन

वर्क प्रेशर के चलते आजकल हर कोई स्ट्रेस या तनाव की समस्या से झूझ रहा है। मगर इस चाय में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व नर्वस सिस्टम को रीलैक्स करके तनाव व स्ट्रेस को दूर करते हैं, जिससे आप डिप्रेशन जैसी समस्याओं से भी बचे जाते हैं।

इम्यून सिस्टम को करती है बूस्ट

व्हिस्की-टी में विटामिन सी और ए भरपूर मात्रा में होता हैं, जोकि एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं। ऐसे में इसका सेवन इम्यून सिस्टम को बूस्ट करके आपको कई बीमारियों से बचाता है।



चाय बनाने के लिए सामग्री

सिंगल माल्ट - 2 चम्मच, ब्लैक टी बैग- 1, पानी- 350 ml, दालचीनी- 02 ग्राम, चीनी पाउडर- स्वादानुसार

व्हिस्की चाय बनाने की विधि

चाय बनाने के लिए आप सबसे पहले एक बाउल में 2 चम्मच नॉन एल्कोहलिक सिंगल माल्टस 1 ब्लैक टी बैग और दालचीनी डालकर मिलाएं। अब इसे इंफ्यूज करने के लिए इसमें पानी डालकर 40 मिनट तक ढककर रखें। फिर इसे चम्मच से अच्छी तरह मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीनी का पाउडर डालकर इसे मीठा कर सकते हैं। इसके बाद इसमें बर्फ के टुकड़े डालकर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें और कुछ देर बाद इसका सेवन करें।



टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करती है काली मिर्च

अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है।

खराब लाइफस्टाइल और बाहर का खाना लोगों को सौगात में मोटापा दे रहा है और तो और भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते लोग वजन कम करने के लिए ज्यादा मेहनत भी नही करना चाहते। अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है। आज हम आपको काली मिर्च से वजन घटाने का तरीका और इसके अन्य फायदे बताएंगे।

वजन घटाने के लिए काली मिर्च

काली मिर्च में आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, क्रोमियम, विटामिन-ए, सी, और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइट न्यूट्रियंस होते हैं जो वसा की बाहरी परत को तोड़कर शरीर में वसा जमा नहीं होने देते। इसका इस्तेमाल करने से वजन घटाने के अलावा कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी बचा जा सकता है। इसके साथ यह सर्दी-जुकाम में भी बहुत फायदेमंद है।

मोटापे से छुटकारा पाना चाहते हैं तो काली मिर्च आपके लिए काफी फायदेमंद होगी। पकी हुए सब्जी की एक कटोरी में 1 चुटकी काली मिर्च पाउडर डाल कर सेवन करें। नियमित रूप से इसे खाने पर आपका वजन कम होगा। इसके अलावा आप सलाद ,दही व हर्बल टी में इसे मिलाकर भी खा सकते हैं। इसकी आपको सिर्फ 1 से 2 चुटकी मात्रा ही लेनी हैं।



काली मिर्च के अन्य फायदे

कैंसर से करे बचाव

कैंसर एक खतरनाक बीमारी है जिससे बाहर निकलना काफी मुश्किल है। काली मिर्च कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से स्तन कैंसर की गांठ नहीं बनती है। काली मिर्च में विटामिन-सी, ए, फ्लेवोनॉयड्स, कारोटेन्स और अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट पाये जाते हैं। यह कैंसर को रोकने में काफी मदद करते हैं।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत

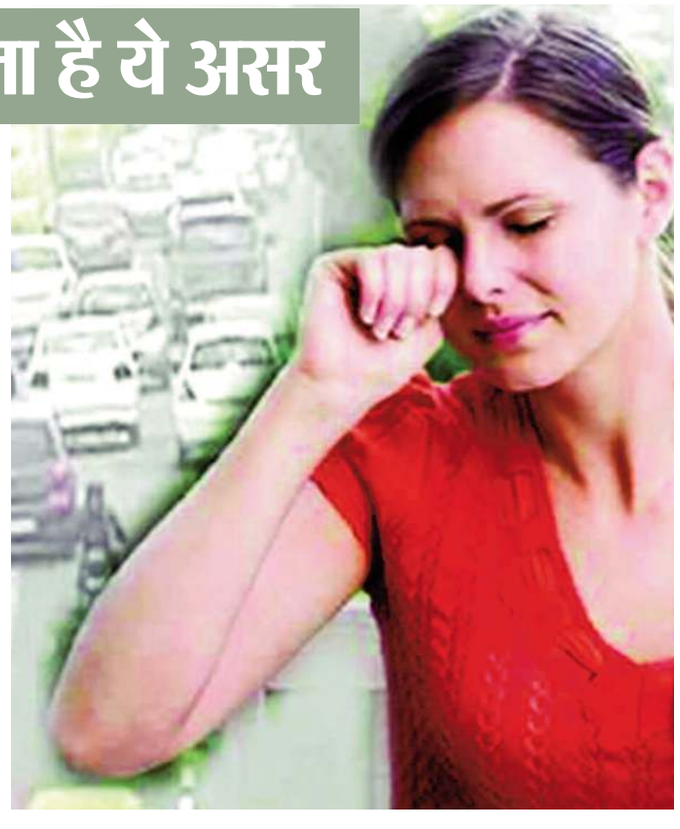
खराब व अनियमित खान-पान के चलते लोगों को पेट संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। अपच, दस्त, कब्ज और खट्टी डकार आदि से राहत पाने के लिए काली मिर्च के सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इससे पेट की पाचन क्रिया सही होती है।

त्वचा की खूबसूरती

काली मिर्च ना सिर्फ शरीर को रोगों से बचाती है बल्कि यह त्वचा को निखारने का भी काम करती है। काली मिर्च को दरदरा पीस कर चेहरे पर स्क्रब करने से त्वचा में चमक आती है। साथ ही कील-मुंहासे भी दूर हो जाएंगे। इससे डेड स्किन भी निकल जाती है।

प्रदूषण का आंखों पर होता है ये असर

प्रदूषित पर्यावरण, बढ़ते वायु प्रदूषण और अल्ट्रा वॉयलेट किरणों के बढ़ते प्रभाव की वजह से आंखों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कॉर्निया, पलकों, सिलेरिया और यहां तक कि लेंस पर भी पर्यावरण का असर होता है। बढते तापमान और पर्यावरण के चक्र में आते बदलाव के चलते क्षेत्र में हवा खुश्क हो रही है। इस वजह से आंखें में ज्यादा खुश्की आ रही है, जिसके चलते आंसू नहीं बनते या बहुत जल्दी सूख जाते हैं। वायु प्रदूषण लंबे समय से सांस प्रणाली की समस्याओं का कारण बन रहा है। हाल ही में इसका असर आंखों पर भी नजर आने लगा है। लकडी या कोयले जलते समय उसके संपर्क में आने से विकासशील देशों में ट्रोचमा की वजह से आंखों में जख्म हो जाते हैं। उम्रभर संक्रमण होने से पलकों के अंदर जख्म हो सकते हैं, जिससे पलकें अंदर की ओर मुड जाती हैं और कोर्निया से रगड़ खाने लगती हैं और क्षति पहुंचा देती हैं, जिससे नजर भी चली जाती है। ओजोन की क्षति होने से अल्ट्रावायलेट किरणों का असर बढ़ रहा है, जिससे कोर्टिकल कैटेरेक्ट का खतरा बढ़ जाता है। सूर्य की खतरनाक किरणों के लगातार संपर्क में आने से आंखों के लेंस के प्रोटीन की व्यवस्था बिगड़ सकती है और लेन्ज एपिथीलियम को क्षति पहुंच सकता है, जिससे लेंस धुंधला हो जाता है। वह कहते हैं कि हैट पहनने से यूवी का असर 30 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यूवी प्रोटेक्शन वाला साधारण धूप का चश्मा लगाने से 100 प्रतिशत तक सुरक्षा हो सकती है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पूरे समाज को आंखों को होने वाले गंभीर नुकसान के बारे में जागरूक होना चाहिए। भारतीय लोगों में पहले ही विटामिन-डी की कमी है, इसलिए इन सावधानियों पर गौर करना बेहद जरूरी है।





रात की डाइट में शामिल करें ये स्नैक्स

अधिकतर लोग समझते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी खाना ही काफी होता है। मगर बिजी लाइफ के चलते या स्टूडेंट्स द्वारा रात देर रात तक जागकर पढ़ते रहने से खाने की क्रैविंग होने लगती है जो हेल्थ के लिए ठीक नहीं। इस समस्या से बचने के लिए कुछ ऐसे स्नैक्स का सेवन जरूर करना चाहिए, जो खाने की क्रैविंग को कम करें और आपको हैल्दी रखें। स्नैक्स ना सिर्फ बॉडी में इंफैक्शन को रोकते है साथ ही साथ वजन को भी कम करने मदद करते है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही हेल्दी स्नैक्स जिन्हें आप रात की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

वेजिटेबल ऑमलेट

वेजिटेबल ऑमलेट कई प्रकार की सब्जियों से बनता है जो बॉडी को फाइबर, प्रोटीन और कई प्रकार के पोषक तत्व प्रदान करता है। ये रात के वक्त आपकी भूख को कम करते है और नींद दिलाने में मदद करते है।

दलिया

दलिया में फाइबर होता है जिससे भूख कम लगती है। फाइबर से शरीर का वजन ठीक रहता है और इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा, अच्छी नींद के लिए दलिया खाना फायदेमंद होता है।

नट्स और फल

वैसे तो हम नट्स और फलों को किसी भी वक्त खा सकते है क्योंकि यह सेहत के लिए हेल्दी ही होते है। इनमें फाइबर, फॉस्फोरस और विटामिन-सी भरपूर मात्रा में होते हैं। इनका रात को सेवन करने से नींद अच्छी आती है और भूख भी कम लगती है।

बादाम

अगर आप नियमित रुप से बादाम खाते है तो आप कई पुरानी बीमारियों से बचे रह सकते है। बादाम दिल से जुड़ी बीमारियों से भी बचाता है। बादाम में मोनोअनसेचुरेटेड फेट, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए रात को बादाम खाना सेहत के लिए अच्छा होता है।

मखाना

अगर आपको हर 2-3 घंटे बाद भूख लगती है तो अपनी डाइट में मखानों को शामिल करें क्योंकि इसमे कम वसा होती है जिसे खाने से न तो फैट बढ़ती और न हीं खाने की क्रेविंग रहती हैं।

डेलॉय की रिपोर्ट: कर्ज तक सीमित पहुंच समेत कई चुनौतियों से जूझ रहा एमएसएमई क्षेत्र



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) औपचारिक ऋण तक सीमित पहुंच जैसी कई संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इससे इन उद्योगों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। हालांकि, उनकी डिजिटल तैयारी एक उज्ज्वल बिंदु है। डेलॉय इंडिया की बुधवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) समकक्षों की तुलना में डिजिटल तत्परता के उच्च स्तर का प्रदर्शन करने के बावजूद भारतीय एमएसएमई बड़े उद्यमों की उत्पादकता के सिर्फ 18 फीसदी पर काम करते हैं। ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में यह 45-70 फीसदी है।यह अंतर वैश्विक समकक्षों की तुलना में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को सीमित करता है। डेलॉय इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, जीडीपी में करीब 30 फीसदी का योगदान करने वाला भारत का एमएसएमई क्षेत्र पुरानी प्रौद्योगिकी, नियामकीय जटिलताएं और बुनियादी ढांचे की समस्याओं से भी जूझ रहा है। डेलॉय एमएसएमई चुनौती सूचकांक डेलॉय के एमएसएमई चुनौती सूचकांक के अनुसार, सिले परिधान जैसे क्षेत्रों में एमएसएमई को ऋण संबंधी गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है, क्योंकि जोखिम बहुत अधिक हैं। इनमें कम मुनाफा और तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा शामिल है, जिससे उनके उत्पादों की प्रतिस्थापना कठिन हो जाती है। एमएसएमई क्षेत्र का निर्यात में 45 फीसदी योगदान है।यह 24 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इस बैंक की बेच दी पूरी हिस्सेदारी, दो साल में ही काटा 62.5 प्रतिशत का मुनाफा



मुंबई, एजेंसी। आनंद महिंद्रा की कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आरबीएल बैंक में अपनी पूरी की पूरी, 3.53 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेच दी है। यह सौदा 678 करोड़ रुपये में हुआ है। इस बिक्री से कंपनी को अपने निवेश पर 62.5 प्रतिशत का तगड़ा मुनाफा हुआ है। मुंबई की यह बड़ी कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 26 जुलाई 2023 को आरबीएल बैंक में यह हिस्सेदारी खरीदी थी। तब कंपनी ने इसमें 417 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने आज आरबीएल बैंक में अपनी पूरी हिस्सेदारी 678 करोड़ रुपये में बेच दी है। यह हमारे निवेश पर 62.5 प्रतिशत का लाभ है। इस खबर के उजागर होने के बाद, क्रस्श्व पर रू×रूके शेयर गुरुवार को 12 बजे 1.84 प्रतिशत चढ़कर 3,647.50 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इस घोषणा के बाद आरबीएल के शेयर भी चए गए। दिन के 12 बजे इसके शेयर 1.06 फीसदी बढ़ कर 327.45 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। शुरुआत में आरबीएल बैंक में निवेश करने के बाद, रू×रूके मैनेजिंग डायरेक्टर, अनीश शाह ने कहा था कि कंपनी आरबीएल बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.9 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाने का कोई इरादा नहीं रखती है, जब तक कि कोई बहुत खास वजह न हो। शाह ने कहा था, फिलहाल, हम हिस्सेदारी बढ़ाने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। लेकिन इससे हमें बैंकिंग सेक्टर को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। यह लगभग 40,000 करोड़ रुपये के मार्केट कैपिटलाइजेशन वाले बिजनेस के लिए वैल्यू बढ़ाने में मददगार है।

अक्तूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंचा पीएमआई

भारत के सेवा क्षेत्र की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्तूबर में धीमा प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेस्क (पीएमआई) के अनुसार विकास की गति पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। सूचकांक सितंबर के 60.9 से गिरकर अक्तूबर में 58.9 पर आ गया। हालांकि, यह स्तर अब भी 50 के तटस्थ अंक से ऊपर है, जो बताता है कि सेवा क्षेत्र में गतिविधियां अब भी विस्तार के दायरे में बनी हुई हैं।

एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग में तेजी और हाल के जीएसटी सुधारों ने कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया, लेकिन प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश ने गति को बाधित किया।

सर्वेक्षण से पता चला कि नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तेजी से वृद्धि हुई, लेकिन पांच महीनों में यह सबसे धीमी गति से हुई। यह बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाढ़ व भूस्खलन जैसे मौसम संबंधी व्यवधानों के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है।

इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का सेवा क्षेत्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 58.9 पर आ गया, जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद, पीएमआई अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर बना हुआ है। साथ ही इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई है, जिससे कंपनियों को कुछ राहत मिली है।

रोजगार के रुझान सकारात्मक रहे

रोजगार के रुझान मोटे तौर पर सकारात्मक रहे, क्योंकि सेवा प्रदाताओं ने नए व्यवसाय को समर्थन देने तथा डिलीवरी कार्यक्रम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्त किया। हालांकि, रोजगार सृजन की गति धीमी रही, जो 18 महीनों में संयुक्त रूप से सबसे धीमी गति थी। लगातार नियुक्तियों से लगभग चार वर्षों में पहली बार लंबित कार्यों में कमी आई।



भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में हुआ सुधार

मंदी के बावजूद, कंपनियों ने वृद्धि के प्रमुख चालकों के रूप में निरंतर मजबूत घरेलू मांग और प्रभावी विपणन का हवाला दिया। भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी सुधार हुआ व बाहरी बिक्री में भी वृद्धि हुई। हालांकि विस्तार की गति मार्च के बाद से सबसे कमजोर रही।

समग्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 60.4 पर आ गया

भविष्य की ओर देखते हुए, सेवा अर्थव्यवस्था में आशावाद बना रहा, जो मजबूत मांग, बेहतर विज्ञापन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीतियों की उम्मीदों पर आधारित था। फिर भी, समग्र आत्मविश्वास का स्तर तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। समग्र पीएमआई, जिसमें विनिर्माण और सेवा दोनों गतिविधियां शामिल हैं, भी सितंबर के 61.0 से थोड़ा कम होकर अक्तूबर में 60.4 पर आ गया, जो विनिर्माण में तेजी के बावजूद सेवाओं में मंदी को दर्शाता है।

इनपुट लागत मुद्रास्फीती अपने निचले स्तर पर पहुंची

सर्वेक्षण में बताया गया है कि इनपुट लागत मुद्रास्फीति एक साल से भी ज्यादा समय में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है, जिसमें आंशिक रूप से जीएसटी से जुड़े सुधारों का भी योगदान है। इससे लागत का बोझ कुछ हद तक कम हुआ है। नतीजतन, बिक्री मूल्य सात महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़े, जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं, दोनों को राहत मिली।

रूसी कच्चे तेल आयात में कटौती करेगा भारत

प्रतिबंधों के बीच भारतीय रिफाइनर रोक देंगे सीधी खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत नवंबर के अंत से रूस से कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। इससे नवंबर के अंत से भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात घट सकता है।यह कदम रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि भारत के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनियां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी शामिल हैं।

दरअसल, अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध



लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

रूसी कच्चे तेल की खेप में दिखेगी गिरावट: नौवहन सूचना फर्म केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, 21 नवंबर के बाद रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी, क्योंकि अधिकांश भारतीय रिफाइनरी अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करते हुए रोसनेफ्ट और लुकोइल से सीधी खरीद घटाएंगी या रोक देंगी।

दिसंबर में तेजी से घटेगा आयात अन्य देशों से खरीदारी पर जोर: रितोलिया ने कहा, दिसंबर में रूसी तेल की आपूर्ति में तेज गिरावट आ सकती है, जबकि 2026 के शुरुआती दौर में यह स्थिति नए व्यापारिक माध्यमों और वैकल्पिक मार्गों के जरिये धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है। घटते रूसी आयात की भरपाई के लिए भारतीय रिफाइनरी कंपनियां पश्चिम एशिया, लैटिन अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदारी बढ़ा रही हैं।भारत ने अक्तूबर में अमेरिका से प्रतिदिन 5.68 लाख बैरल क्रूड आयात किया, जो मार्च, 2021 के बाद सर्वाधिक है। आपूर्ति समझौता है।मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप रोकने की घोषणा की है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी (गुजरात) मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड आयात किया।

अमेजन इंडिया ने वेयरहाउस स्टोरेज शुल्क में 11 प्रतिशत बढ़ोतरी की, जानें इसका विक्रेताओं पर क्या असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमर्स दिग्गज अमेजन इंडिया ने अपनी वेयरहाउस स्टोरेज फीस में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नई दर 15 नवंबर, 2025 से लागू होगी और अब यह 50 प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह होगी। कंपनी ने कहा कि शुल्क वृद्धि का उद्देश्य बाजार के अनुरूप समायोजन और बढ़ती परिचालन लागतों को ध्यान में रखना है। अमेजन ने 2023 के बाद पहली बार स्टोरेज शुल्क में बदलाव किया है। इसके अलावा, इस साल कंपनी ने 300 तक कीमत वाले 1.2 करोड़ से अधिक कम मूल्य वाले उत्पादों पर रेफरल फीस समाप्त कर दी थी। 300 से 500 तक के उत्पादों, जैसे बेडशीट, घड़ियां, होम फर्निशिंग और एथनिक वियर पर शुल्क केवल 1 प्रतिशत या उससे कम कर दिया गया था। वहीं, उच्च मूल्य वर्ग जैसे फैशन और छोटे उपकरणों पर शुल्क में 7 प्रतिशत तक की कमी लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की। व्यापारियों ने कहा कि भंडारण और अन्य शुल्कों में बार-बार बढ़ोतरी से कम रेफरल शुल्क का लाभ कम हो रहा है, और कुछ का दावा है कि नवीनतम बदलावों से पहले उनसे सलाह नहीं ली गई। पुणे के एक विक्रेता ने कहा कि अमेजन अब हर छह महीने में शुल्क संरचना में संशोधन कर रहा है और विक्रेताओं से परामर्श नहीं कर रहा है। वे कहते रहते हैं कि यह विक्रेताओं के हित में है।

युवाओं नई कार्यसंस्कृति: बेहतर तनख्वाह और मन मुताबिक नौकरी की मांग पर अड़ी

● 82 प्रतिशत एआई को लेकर उत्साहित ● लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। जेन-जी, आज दुनिया में चर्चा का सबसे गर्म मुद्दा बन चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर क्यों? वजह है उनके सोचने का अलग तरीका, उनकी मांग और पसंद। यह पीढ़ी स्थापित मानकों पर सवाल उठाने वाली और बदलाव को नए नजरिए से देखने वाली है। इसी बीच रैंडस्टैड इंडिया की ताजा रिपोर्ट द जेन-जी वर्कप्लेस ब्लूप्रिंट ने बताया है कि यह नई पीढ़ी अपने ऑफिस से क्या चाहती है और किन हालातों से बिल्कुल भी समझौता नहीं करना चाहती है।

युवा पेशेवर की प्राथमिकताएं: रिपोर्ट के मुताबिक भारत में युवा पेशेवर अपने करियर विकल्पों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। वे अब नौकरी चुनते समय सिर्फ अच्छी सैलरी ही नहीं, बल्कि लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं।



यह रिपोर्ट 750 भारतयी युवाओं पर आधारित सर्वे से तैयार की गई है। इसमें उनके कार्य संबंधी प्राथमिकताओं, करियर दृष्टिकोण, रिटेंशन फैक्टर्स, एआई व सीखने के नजरिए का विश्लेषण किया गया है। रिटेंशन फैक्टर्स, वे कारक हैं जो कर्मचारियों या ग्राहकों को किसी संगठन को छोड़ने से रोकते हैं। रैंडस्टैड इंडिया के एमडी और सीईओ विश्वनाथ पीएस ने कहा कि जो नियोक्ता आजीवन सीखने, समावेशिता और लचीलापन अपने कार्यस्थल में शामिल करेंगे, वे न केवल इस पीढ़ी की प्रतिभा को आकर्षित और बनाए रखेंगे, बल्कि भविष्य के लिए तैयार संगठनों का निर्माण करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की कार्यशक्ति में इस पीढ़ी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, ऐसे में कंपनियों को अपनी टैलेंट रणनीतियों, कार्यसंस्कृति और कर्मचारी जुड़ाव के तरीकों में तेजी से बदलाव लाने की जरूरत है। रैंडस्टैड डिजिटल इंडिया के प्रबंध निदेश मिलिंद शाह ने कहा कि भारतीय जेन जी का फुल-टाइम जॉब के साथ साइड हसल यानी फुल-टाइम नौकरी के साथ-साथ अतिरिक्त काम को प्राथमिकता देना। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री को अब ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो तकनीकी दक्षता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता दोनों को साथ लेकर चले। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 82 प्रतिशत जेन-जी कार्यस्थल पर एआई के इस्तेमाल को लेकर उत्साहित हैं, और 83 प्रतिशत पहले से ही समस्या-समाधान के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, 44 फीसदी युवाओं ने एआई के कारण भविष्य में नौकरियों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता भी जताई है।

जेन-जी के लिए लचीलापन की परिभाषा

अध्ययन के अनुसार, जेन-जी के लिए लचीलापन सिर्फ घर से काम करने या ऑफिस टाइम में ढील भर नहीं है बल्कि इसका मतलब है अपनी सुविधा और जीवनशैली के हिसाब से काम करने की आजादी। वे ऐसी नौकरियां चाहते हैं जहां समय, लोकेशन और काम करने के तरीके में आजादी मिले। नके लिए यह मायने रखता है कि वे अपनी उत्पादकता के हिसाब से काम कर सकें, न कि सख्त दफ्तर की घड़ी के अनुसार। इसके अलावा, यात्रा के अवसर और विदेश से रिमोट वर्क करने की सुविधा भी युवा पेशेवरों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। जो कंपनियां इस संतुलन को अपनाएंगी, वे अगली पीढ़ी के शीर्ष तकनीकी प्रतिभाओं को हासिल करेंगी।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए बड़े अवसर खोलेगा : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा कर रहे हैं। भारत की तरफ से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूजीलैंड के दौरे पर हैं। दोनों पक्ष समझौते से जुड़ी वार्ता को जल्द पूरा करना चाहते हैं। संभावना जताई जा रही है कि अगले कुछ महीने में समझौते पर अंतिम सहमति बन सकती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि यह समझौता दोनों पक्षों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। उन्होंने कहा कि यह सौदा जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सभी संवेदनशील मुद्दों पर विचार के बाद होगा।

गौरतलब है कि दोनों पक्षों के वार्ताकार पिछली बैठकों में हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने की दिशा में सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। समझौता संतुलित, व्यापक और परस्पर लाभकारी साझेदारी पर केंद्रित होगा, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल व्यापार 1 अरब 30 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। यह उससे पहले वित्त वर्ष की तुलना में 48 फीसदी अधिक रहा है।

प्रस्तावित समझौते के तहत व्यापार और निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार होगा। समझौते के तहत लक्ष्य रखा गया है कि दोनों



अधिक की बढ़ोतरी होगी। इसलिए दोनों पक्ष समझौते से जुड़े वार्तों को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लकसन ने कहा है कि भारत और न्यूजीलैंड की समृद्धि, सुरक्षा और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। ऑकलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले के साथ प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग से न केवल व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से काम कर रहे हैं। इस समझौते से न्यूजीलैंड के व्यवसायों को भारतीय बाजार में विशाल अवसर प्राप्त होंगे।

सरकारी बैंकों को सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड 49,546 करोड़ का मुनाफा

दो बैंकों के लाभ में कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई की अगुवाई में सरकारी बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड 49,546 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह सालाना आधार पर 9 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस दौरान दो बैंकों के मुनाफे में कमी भी दर्ज की गई। 12 बैंकों को सितंबर, 2024 की समान तिमाही में 45,547 करोड़ का लाभ हुआ था। इस तरह, इस बार यह 3,909 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वित्तीय नतीजों से पता चलता है कि 12 बैंकों के कुल मुनाफे में 20,160 करोड़ रुपये के साथ अकेले एसबीआई की हिस्सेदारी 40 फीसदी रही।इसका लाभ सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ा है। फीसदी के लिहाज से इंडियन ओवरसीज बैंक का लाभ सबसे अधिक 58 फीसदी बढ़कर





1,226 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 33 फीसदी बढ़त के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसे 1,213 करोड़ का मुनाफा हुआ। बैंकों के कारोबार में भी तेज वृद्धि हुई है। एसबीआई का कारोबार जहां 100 लाख करोड़ हो गया, वहीं पंजाब नेशनल बैंक का 27.86 लाख करोड़ रुपये हो गया। 26.79 लाख करोड़ के साथ केनरा तीसरे स्थान पर है। यूनियन बैंक का कारोबार 22 लाख करोड़ के पार है। सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 11 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ44,218 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था।एक साल पहले की समान तिमाही में इन बैंकों को 39,974 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआथा।सितंबर, 2025 को समाप्त पहली छमाही में इन बैंकों का कुल लाभ पहली बार 90,000 करोड़ रुपये को पार कर गया।

बड़े बैंकों का कम बढ़ा लाभ

सितंबर तिमाही के दौरान बड़े बैंकों के मुनाफे की वृद्धि की रफ्तार धीमी रही।उदाहरण के तौर पर, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक के फायदे में क्रमशः 19 फीसदी, 14 फीसदी एवं 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक के लाभ में 23 फीसदी की तेजी आई। हालांकि, बैंक ऑफ इंडिया का फायदा 8 फीसदी और यूको बैंक का केवल तीन फीसदी ही बढ़ा।

दो बैंकों के मुनाफे में गिरावट

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर सभी 12 सरकारी बैंकों के मुनाफे में तेजी दर्ज की गई।इस अवधि में बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ 8 फीसदी घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 10 फीसदी कम होकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया।

एमएस धोनी नहीं खेलेंगे आईपीएल

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक ने कर दिया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के समाप्त होते ही ये चर्चा शुरू हो गई कि चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल का अगला सीजन खेलेंगे या नहीं. वहीं इस बात पर जब-जब धोनी से सवाल किया गया, तब-तब माही ने इस सवाल के जवाब को देने के लिए कुछ वक्त मांगा. लेकिन अब सीएसके के मालिक काशी विश्वनाथन ने एमएस धोनी के अगले आईपीएल 2026 में खेलने के बारे में बड़ा अपडेट दिया है.

सीएसके के मालिक ने धोनी पर क्या कहा?- महेंद्र सिंह धोनी और सीएसके के लिए आईपीएल 2025 कुछ खास नहीं रहा. इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 10वें नंबर पर रही. इसी के साथ धोनी के आईपीएल से रिटायर होने की अटकलें भी लगाई जाने लगीं. लेकिन अब



सीएसके के मालिक ने इन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है. काशी विश्वनाथन का कहना है कि एमएस धोनी आईपीएल का अगला सीजन जरूर खेलेंगे. प्रोवोक लाइफस्टाइल के यूट्यूब चैनल से एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें एक बच्चा सीएसके के सीईओ से सवाल करता है कि क्या धोनी जल्दी ही रिटायर हो जाएंगे. तब काशी विश्वनाथन जवाब देते हैं कि 'धोनी रिटायर नहीं होंगे. मैं इस बारे में भी उनसे पूछूंगा और फिर आपको बताता हूं'. सीएसके मालिक ने टीम के अगले सीजन में परफॉर्म करने को लेकर कहा कि 'हम जीतने के लिए स्ट्रेटजी बना रहे हैं, लेकिन जीतेंगे या नहीं, इस बारे में नहीं पता है'.

सीएसके के लिए बेकार रहा आईपीएल 2025 - आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने अपना पहला टाइटल हासिल किया. वहीं चेन्नई सुपर किंग्स की सबसे आखिर में 10वें नंबर पर रही. इस सीजन एमएस धोनी के बल्ले से भी रन देखने को नहीं मिले. धोनी ने आईपीएल 2025 में खेले 14 मैचों की 13 पारियों में 24.50 की औसत से 196 रन बनाए. धोनी का आईपीएल के 18वें सीजन में बेस्ट स्कोर नाबाद 30 रन रहा.

आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को देखना चाहते हैं वसीम अकरम

नई दिल्ली, एजेंसी। महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने आईसीसी से मांग की है कि 'खेल से राजनीति को अलग करने' के लिए वो दखल दे। विजडन को दिए इंटरव्यू में अकरम ने कहा कि वह क्रिकेट में राजनीति को नापसंद करते हैं। हर लीग क्रिकेट में हर देश के खिलाड़ियों को चुना जाना चाहिए। उनका साफ इशारा इंडियन प्रीमियर लीग की तरफ था। महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने आईसीसी से मांग की है कि 'खेल से राजनीति को अलग करने' के लिए वो दखल दे। विजडन को दिए इंटरव्यू में अकरम ने कहा कि वह क्रिकेट में राजनीति को नापसंद करते हैं। हर लीग क्रिकेट में हर देश के खिलाड़ियों को चुना जाना चाहिए। उनका साफ इशारा इंडियन प्रीमियर लीग में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के खेलने पर लगे बैन की



तरफ था। इंटरव्यू में अकरम ने कहा, 'सॉरी, लेकिन मैं क्रिकेट में राजनीति को पसंद नहीं करता। साफ-साफ कहता हूं। खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। लीग क्रिकेट में हर देश के खिलाड़ियों को चुनो। हिम्मती बनो। बड़े दिल वाला बनो। लेकिन दुर्भाग्य से ये नहीं हो रहा है। और मुझे लगता है कि यहां आईसीसी को दखल देना चाहिए। यहां क्रिकेट बोर्ड्स को आगे आना चाहिए। यह मायने नहीं रखना चाहिए कि लीग का मालिक कौन है। यह मायने नहीं रखता कि टीमों के मालिक कौन हैं। हर देश के हर खिलाड़ी को चुना जाना चाहिए।' आईपीएल का नाम तो नहीं लिया मगर इशारा साफ अकरम ने वैसे तो पाकिस्तानी क्रिकेटरों या आईपीएल का जिक्र नहीं किया। सीधे-सीधे ये नहीं कहा कि आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए लेकिन उनका इशारा तो एकदम साफ था। आईपीएल में किसी भी देश का खिलाड़ी खेल सकता है, बस पाकिस्तान का नहीं। आईपीएल खेल चुके हैं पाकिस्तानी खिलाड़ी वैसे पाकिस्तान के खिलाड़ी हमेशा से आईपीएल में बैन नहीं रहे हैं। शोएब अख्तर, कामरान अकमल, सोहेल तनवीर जैसे कई पाकिस्तानी क्रिकेटर आईपीएल में खेल चुके हैं।

वीनस विलियम्स की ऑकलैंड क्लासिक में होगी

वाइल्ड कार्ड एंट्री



वॉशिंगटन, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में वापसी करेंगी। उन्हें इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विलियम्स 16 महीने के ब्रेक के बाद 2025 के बीच में प्रतियोगिता में लौटीं। उन्होंने वाशिंगटन में वर्ल्ड नंबर 35 पेटन स्टर्न्स पर यादगार जीत के साथ वापसी की, जहां वह टूर-लेवल पर महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्हें एकल और युगल में यूएस ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की 11वीं सीड कैरोलिना मुचोवा को तीन सेट तक टक्कर दी और कनाडाई उभरती हुई स्टार लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, 'वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा असर रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को एक्शन में देखने का यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।' ऑकलैंड क्लासिक पांच से 11 जनवरी 2026 तक चलेगा। यह18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट होगा।

फीडे विश्व कप शतरंज

अर्जुन की जीत से शुरुआत

गुकेश - प्रज्ञानन्दा नें खेला ड्रॉ



गोवा, एजेंसी। फीडे विश्व कप 2025 के दूसरे राउंड की पहली बाजी से सारे दिग्गज वरीय खिलाड़ी विश्व कप के अपने अभियान को आरंभ करते नजर आए, पहले बोर्ड पर विश्व चैम्पियन डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक की बाजी की पहली चाल चलकर उदघाटन करने के लिए खुद मेजबान गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद पहुंचे। गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से केटालन ओपनिंग खेलते हुए अपने अभियान की शुरुआत की और मध्य खेल तक उनके मोहोरे बेहद सक्रिय तो नोगेरबेक के मुश्किलों मे नजर आ रहे थे पर खेल की 29वीं चाल में गुकेश से भूल हुई और उन्होने अपने ऊंट की काले के ऊंट से अदला बदली स्वीकार करते हुए नोगेरबेक को वापसी का मौका दे दिया और 84 चालों तक चली यह मैराथन बाजी बेनतीजा रही। प्रज्ञानन्दा को भी औस्ट्रेलिया के टेमुर कुयबोकोरोव नें ड्रॉ पर रोक लिया, हालांकि दूसरे वरीय भारत के अर्जुन एरीगैसी नें अपने अभियान को जीत से आरंभ किया, अर्जुन नें बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव पर जीत दर्ज की, उन्होने काले मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में 42 चालों में जीत दर्ज की। अन्य खास मुकाबलों में जर्मनी के विश्व नंबर चार विंसनेट केमर नें रूस के व्लादिसलाव कोवलेव को हराया तो अनुभवी खिलाड़ियों में अजरबैजान के शाकियार ममेद्यारोव नें हंगरी के कांटोर ग्रिगेली को, फ्रांस के मकसीम लागरेव नें भारत के सूर्या शेखर गांगुली को और अर्मेनिया के लेवान आरोनियन नें एक रोमांचक मुक़ाबले में भारत के अरोण्यक घोष को पराजित किया।

आरसीबी को बेचने का हुआ ऐलान

आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी को मिलेगा नया मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा आईपीएल और पूर्व डब्ल्यूपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी बिकने जा रही है. आरसीबी की मौजूदा मालिक इस फ्रेंचाइजी से बाहर हो रही है और उसने इसे बेचने का ऐलान कर दिया है. एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आईपीएल की शुरुआती 8 फ्रेंचाइजी में से एक आरसीबी की बिक्री प्रक्रिया शुरू हो गई है और अगले आईपीएल सीजन से पहले ये प्रक्रिया खत्म होने की उम्मीद है. यानि फ्रेंचाइजी के मौजूदा ओनर को उम्मीद है कि मार्च 2026 से पहले आरसीबी को इसका नया मालिक मिल जाएगा, जो आईपीएल और डब्ल्यूपीएल में इस फ्रेंचाइजी को चलाएगा.

शुरू हुई बिक्री प्रक्रिया, मार्च 2026 तक होगी खत्म - आईपीएल के पहले सीजन से ही एक्टिव रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बिक्री को लेकर पिछले कुछ हफ्तों से सुगबुगाहटें जारी थीं और कुछ बड़े बिजनेस घरानों ने इसमें रुचि भी दिखाई थी. मगर तब ये सिर्फ अटकलें थी लेकिन अब



खुद फ्रेंचाइजी की मौजूदा ओनर डिएजियो ने इसका ऐलान कर दिया है. क्रिकबज की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि डिएजियो ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को भेजी गई एक चिट्ठी में बताया कि उसकी सब्सिडिएरी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने फ्रेंचाइजी में स्ट्रैटेजिक रिव्यू शुरू किया है.

माल्या 2008 में खरीदी थी आरसीबी फ्रेंचाइजी

2008 में बीसीसीआई ने जब आईपीएल शुरू करने का ऐलान किया था, तो 8 शहरों की फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई गई थी. इसमें बेंगलुरु की बोली मशहूर बिजनेसमैन विजय माल्या ने जीती थी. उन्होंने तब 111.6 मिलियन डॉलर यानि उस वक्त करीब 600-700 करोड़ रुपये में ये फ्रेंचाइजी खरीदी थी. तब ये आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे महंगी टीम थी. यूनाइटेड स्पिरिट्स के मालिक उस वक्त माल्या ही थे. हालांकि, 2013 में डिएजियो ने स्रूमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर ली थी और 2014 में वो 54 फीसदी से ज्यादा शेयरहोल्डिंग के साथ पूरा मालिकाना हक डिएजियो के हाथों में आ गया था और तब से वो ही फ्रेंचाइजी के मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभा रही थी.

चैंपियंस लीग

फिल फोडेन ने दागे 2 गोल



● डॉर्टमुंड के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी की आसान जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। फिल फोडेन इस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने दो गोल दागे। डॉर्टमुंड ने शुरुआती समय में मैनचेस्टर सिटी को रोके रखा, लेकिन 22वें मिनट फिल फोडेन ने बॉक्स के किनारे से एक सटीक लो शॉट लगाकर मैच का रुख बदल दिया। इसके 7 मिनट बाद एर्लिंग हालैंड ने डोकू के क्रॉस पर एक जोरदार शॉट लगाकर सिटी की बढ़त को दोगुना कर दिया। यहां से डॉर्टमुंड मुकाबले में 0-2 से पिछड़ गई थी। शानदार शुरुआत के बावजूद मेहमान टीम सिटी की गति और मूवमेंट को संभालने में नाकाम रही। हाफ टाइम से पहले गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल को बार-बार एक्शन में आना पड़ा। फिल फोडेन ने 57वें मिनट में फिर से गोल दागते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। मुकाबले के 72वें मिनट डॉर्टमुंड ने जवाब दिया। वाल्डेमर एंटोन ने एक शॉर्ट फ्री किक के बाद वॉली मारकर गोल किया। मैच खत्म होने में 20 मिनट से भी कम समय शेष रह गया था। मुकाबले का स्कोर 3-1 था। इस बीच बुंडेसलीगा टीम ने आगे बढ़कर हमला किया। करीम एडेयेमी दो बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन सब्स्टीट्यूट रेयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम (90+1) में गोल करके नतीजा पक्का कर दिया। मैनचेस्टर सिटी चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में अब टॉप-3 टीमों बायर्न म्यूनिख, आर्सेनल



और इंटर से सिर्फ 2 प्वाइंट पीछे है। अब डॉर्टमुंड इस महीने के आखिर में विलारियल की मेजबानी करने से पहले अपनी पहली चैंपियंस लीग हार से उबरने की कोशिश करेगा। डॉर्टमुंड के कोच निको कोवाक ने कहा, 'हमने देखा है कि सिटी साफतौर पर बेहतर टीम है। हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन काफी मौके नहीं बना पाए और कुल मिलाकर बहुत पैसिव रहे। यह मुकाबला सिटी के खिलाफ था, लेकिन चार गोल खाना फिर भी थोड़ा ज्यादा है, आखिर में गोलों का अंतर भी मायने रख सकता है।'

63वें वालोंग डे पर 'वालोंग डे हॉफ मैराथन' का आयोजन

● 1962 के ऐतिहासिक युद्ध की वीरता को श्रद्धांजलि



वालोंग (अरुणाचल प्रदेश), एजेंसी। वालोंग हॉफ मैराथन 2025 भारतीय सैनिकों के अमिट साहस, बलिदान और धैर्य को समर्पित है। यह कार्यक्रम भारतीय सेना और अरुणाचल प्रदेश की जनता के बीच अटूट संबंध और परस्पर गर्व का प्रतीक बना। भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित वालोंग के युद्धक्षेत्र से बुधवार को 'वालोंग हॉफ मैराथन 2025' का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन भारतीय सेना द्वारा 63वें वालोंग डे के उपलक्ष्य में किया गया, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध में हुए वीरता भरे वालोंग युद्ध की स्मृति को पुनर्जीवित किया। इस मैराथन में करीब 700 प्रतिभागियों, जिनमें सेना के जवानों से लेकर नागरिक पुरुष और महिलाएं भी शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ को तीन श्रेणियों में बांटा गया था, 21 किमी हॉफ मैराथन, 10 किमी रन और 5 किमी ट्रिब्यूट रन, जिसमें प्रतिभागियों ने देश के वीर सपूतों के सम्मान में कदम से कदम मिलाया। यह मैराथन केवल शारीरिक सहनशक्ति और फिटनेस की परीक्षा नहीं थी, बल्कि इसमें स्मरण, एकता और देशभक्ति का संदेश भी निहित था। विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए, जिनमें पदक और दो लाख रुपए तक की नकद राशि भी शामिल थी।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : स्वियाटेक को हराकर एनिसीमोव ने सेमीफाइनल में बनाई जगह



नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की चौथी सीड अमांडा एनिसीमोव ने बुधवार को पोलैंड की दूसरी सीड इगा स्वियाटेक को 6-7 (3), 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। इसी के साथ अमांडा एनिसीमोव ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। मुकाबले के पहले सेट में, दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस को मजबूती से बनाए रखा। हालांकि, एनिसीमोवा ने चार ब्रेक प्वाइंट हासिल किए, लेकिन स्वियाटेक ने उन सभी को बचा लिया। पहले 12 गेम सर्विस पर जाने के बाद टाईब्रेक में 7-6 (3) से जीत हासिल की। मुकाबले का दूसरा सेट भी काफी कड़ा रहा। एनिसीमोव ने तीसरे गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस बचाई। दोनों ने 5-4 तक अपनी सर्विस बनाए रखी। स्वियाटेक के पांचवें सर्विस गेम में, अमेरिकी खिलाड़ी ने एक महत्वपूर्ण लेट ब्रेक का मौका भुनाया और मैच को बराबर करने के लिए सेट 6-4 से जीत लिया।



➤ जीवन सिर्फ सांस लेने का नाम नहीं

अपने भीतर की कला को पहचानना है: यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम आज भारतीय सिनेमा की उन चुनिंदा कलाकारों में से हैं, जो अपनी सादगी, संवेदनशील अभिनय और गहरे विचारों के लिए जानी जाती हैं। वह सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। अपनी कामयाबी को लेकर उन्होंने कहा कि इंसान एक कलाकार है, लेकिन उसकी रचनात्मकता के पीछे भगवान की कृपा छिपी होती है। यामी ने अपनी आने वाली फिल्म 'हक' के प्रमोशन के दौरान बातचीत की। उन्होंने कहा, ''हम सभी इस दुनिया में ईश्वर की खास रचना हैं। अगर इंसान अपनी असली ताकत और क्षमता को समझ ले, तो वह इस दुनिया को बेहतर बना सकता है। हम सभी के भीतर कुछ न कुछ खास है, पर अक्सर हम अपनी ताकत को पहचान नहीं पाते। जब हम खुद को समझने लगते हैं, तब हमें एहसास होता है कि जीवन सिर्फ सांस लेने का नाम नहीं है, बल्कि यह एक जिम्मेदारी है, अपने भीतर की कला को पहचानने और उसे सही दिशा देने की। उन्होंने आगे कहा, ''हर व्यक्ति को इस दुनिया में किसी न किसी उद्देश्य के साथ भेजा गया है। हर इंसान के भीतर एक अलग तरह की कला होती है, जो उसे ईश्वर की तरफ से मिली होती है। कला केवल पेंटिंग, संगीत या अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि कोई भी काम जो दिल से किया जाए, वह भी एक कला हो सकता है। उन्होंने कहा कि कला एक आशीर्वाद है और यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसे कितना सम्मान देते हैं। यामी ने बताया, ''अगर मैं एक लेखक हूं, तो मेरे लिए कलम और विचार सबसे ज्यादा पवित्र हैं। जब इंसान अपने काम को श्रद्धा से करता है, तो उसमें ईश्वर का स्पर्श महसूस होता है। हम सब ईश्वर की रचना हैं, उसकी अभिव्यक्ति हैं। यामी ने फिल्म 'हक' में एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जिसे उसका पति तीन तलाक देकर छोड़ देता है। इसके बाद वह अपने पति से गुजारा भत्ता की मांग करने और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए कानूनी लड़ाई लड़ती है। यह फिल्म 7 नवंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी।

सलमान खान के खिलाफ दर्ज हुआ केस

सलमान खान पान मसाला विज्ञापन को लेकर मुश्किल में पड़ गए हैं। बीजेपी नेता और राजस्थान हाईकोर्ट के वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने एक्टर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। शिकायत में कहा गया है कि सलमान ने एक माउथ फ्रेशनर ब्रांड का ऐसा विज्ञापन किया है, जो युवाओं को गुमराह कर रहा है। इस मामले में 27 नवंबर को सुनवाई होगी। शिकायतकर्ता इंदर मोहन सिंह हनी ने बातचीत में कहा, सलमान खान बहुत से लोगों के रोल मॉडल हैं। हमने उनके खिलाफ कोटा उपभोक्ता कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई है। अन्य देशों में सेलेब्रिटी या फिल्म स्टार्स कोल्ड ड्रिंक तक का प्रचार नहीं करते, लेकिन यहां तंबाकू और पान मसाला जैसे उत्पादों का प्रचार किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि राजश्री पान मसाला बनाने वाली कंपनी और सलमान खान ने अपने प्रोडक्ट को केसर वाली इलायची और केसर वाला पान मसाला बताकर भ्रामक विज्ञापन किया है।



फातिमा और विजय वर्मा की 'गुस्ताख इश्क' की रिलीज डेट आगे बढ़ी



अभिनेत्री फातिमा सना शेख और विजय वर्मा स्टारर फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर घोषणा की। पहले फिल्म 21 नवंबर को रिलीज की जानी थी, लेकिन मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'अपने कैलेंडर में नोट कर लें, गुस्ताख इश्क की नई रिलीज डेट आ गई है। 'गुस्ताख इश्क' अब 28 नवंबर को रिलीज हो रही है।' फैशन जगत में अपनी अलग पहचान बना चुके मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा फिल्म गुस्ताख इश्क से निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। उनकी यह फिल्म पुरानी मोहब्बत के जुनून भरी कहानी को आधुनिक अंदाज में पेश करेगी। फिल्म के टाइटल ट्रैक (गुस्ताख इश्क), उल जलूल इश्क, और आप इस धूप और शहर तेरे रिलीज किए जा चुके हैं। वहीं, प्रशंसकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है और अब वे फिल्म को लेकर और भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों और पंजाब की पुरानी कोठियों के बीच एक अधूरी लेकिन गहरी प्रेम कहानी को बुनेगी। इस फिल्म में पहली बार फातिमा और अभिनेता विजय वर्मा रोमांस करते नजर आएंगे। विभु पुरी द्वारा निर्देशित 'गुस्ताख इश्क' में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में दिखाई देंगे। बता दें, यह फिल्म मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का प्रोडक्शन डेब्यू है, जो स्टेज 5 प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। इसकी सिनेमैटोग्राफी मनुष नंदन ने की है और साउंड डिजाइन रेसुल पूकुट्टी ने किया है। यह फिल्म न केवल एक प्रेम कहानी है, बल्कि क्लासिक और आधुनिक सिनेमा का संगम भी है। फिल्म में संगीत के लिए मशहूर जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज एक बार फिर साथ आए हैं। दोनों पहले भी कई यादगार गाने बना चुके हैं।



फातिमा बॉश ने इस बात के लिए बीच में छोड़ी मिस यूनिवर्स की प्रतियोगिता

हाल ही में मिस यूनिवर्स 2025 की प्रतियोगिता में मिस मैक्सिको फातिमा बॉश को एक शख्स ने ऐसी बात कह दी कि उन्होंने प्रतियोगिता ही छोड़ दी। मिस यूनिवर्स 2025 की प्रतियोगिता 21 नवंबर को थाईलैंड में होने वाली है। इससे पहले ही इस प्रतियोगिता में विवाद शुरू हो गया है। 4 नवंबर को बैंकॉक में एक कार्यक्रम के दौरान, मिस मैक्सिको फातिमा बॉश को थाई प्रतियोगिता निदेशक नवात इत्सराग्रिसिल ने मूर्ख कहा। इसके बाद वह प्रतियोगिता से बाहर चली गईं।

फातिमा बॉश को कहा मूर्ख

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इत्सराग्रिसिल ने एक शूट में मौजूद न रहने पर बॉश से पूछताछ की। इससे पहले कि फातिमा बॉश अपनी सफाई देतीं, थाई निदेशक ने बीच में ही टोक दिया और कहा, 'अगर आप अपने राष्ट्रीय निदेशक के आदेशों का पालन करती हैं, तो आप मूर्ख हैं।'

मिस यूनिवर्स ने किया समर्थन

इत्सराग्रिसिल का यह बयान फातिमा को पसंद नहीं आया और वह कई दूसरे प्रतियोगियों के साथ कार्यक्रम से बाहर चली गईं। यहां तक कि वर्तमान मिस यूनिवर्स विक्टोरिया केजर थेलविग ने भी मिस मैक्सिको का समर्थन किया और कार्यक्रम छोड़ने का फैसला लिया।

रानी चटर्जी ने शुरू की अपनी नई फिल्म 'यूपी वाली-बिहार वाली' की शूटिंग

भोजपुरी सिनेमा की क्वीन और अपने बयानों को बेबाकी से रखने वाली एक्ट्रेस रानी चटर्जी सोशल मीडिया की भी रानी हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए फैंस को पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ की जानकारी देती हैं। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें नए सेट पर हुई पूजा-पाठ दिख रही है। पूजा-पाठ के बीच एक फिल्मबोर्ड रखा है, जिसपर लिखा है, 'यूपी वाली-बिहार वाली।' यह एक्ट्रेस की नई फिल्म का नाम है, जिसकी शूटिंग रानी ने शुरू कर दी है। फिल्म में रानी के अलावा और कौन-कौन हैं, इसे लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले रानी ने 'परिणय सूत्र' की शूटिंग पूरी की है और 'गैंगस्टर इन बिहार' में भी दिखने वाली हैं। 'गैंगस्टर इन बिहार' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, लेकिन अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। इससे पहले रानी चटर्जी का जन्मदिन था और भोजपुरी के सभी स्टार्स ने एक्ट्रेस को बधाई दी थी। उनका पूरा सोशल मीडिया जन्मदिन के बधाई पोस्ट से भरा था। भाजपा सांसद और भोजपुरी एक्टर-सिंगर मनोज तिवारी ने रानी के जन्मदिन पर खास बधाई वीडियो बनाकर शुभकामनाएं दीं। रानी चटर्जी की कई बैक-टू-बैक फिल्में यूट्यूब पर रिलीज हो चुकी हैं। यूट्यूब पर रानी की 'अम्मा', 'जय मां संतोषी', 'मायके की टिकट कटा दे पिया', 'प्रिया ब्यूटी पार्लर', 'सास बहू चली स्वर्गलोक' और 'चुलगखोर बहुरिया' मौजूद हैं। फिल्मों के साथ-साथ रानी अपनी फिटनेस पर भी बराबर ध्यान देती हैं। वे घंटों जिम में पसीना बहाकर अपना वजन कंट्रोल कर रही हैं। रानी ने खुद बताया था कि फिल्मों की शूटिंग में बिजी होने की वजह से वो अपनी फिटनेस पर ध्यान नहीं दे पा रही थी, जिसकी वजह से उनका वजन काफी बढ़ गया।



रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में सलमान-संजय की एंट्री



रितेश देशमुख के निर्देशन में ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म राजा शिवाजी बन रही है। खबर है कि इस फिल्म में सलमान खान और संजय दत्त भी नजर आएंगे। फिल्म में सलमान खान छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे भरोसेमंद सहयोगी जिवा महाला की भूमिका निभाएंगे, जबकि संजय दत्त अफजल खान के किरदार में दिखाई देंगे। शुक्रवार से सलमान खान फिल्म राजा शिवाजी की शूटिंग शुरू करेंगे। यह सीक्वेंस फिल्म के सबसे शानदार विजुअल अनुभवों में से एक होने वाला है। इतना ही नहीं, कहानी के लिहाज से भी फिल्म में एक्टर की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। फिल्म में रितेश देशमुख छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं। बता दें, सलमान खान इससे पहले भी मराठी फिल्मों में रितेश देशमुख के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने रितेश देशमुख की डायरेक्शन में बनी पहली मराठी फिल्म 'वेड' में और उससे पहले उनकी मराठी ब्लॉकबस्टर लय भारी में भी कैमियो किया था।



जटाधारा के भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ से पहले जारी हुआ नया ट्रेलर

➤ 7 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

'जटाधारा' के शानदार ट्रेलर रिलीज़ के साथ ही दर्शकों के बीच इसका क्रेज़ आसमान छू चुका है। हालांकि पहले ट्रेलर को जबरदस्त प्यार और प्रतिक्रिया मिलने के बाद, मेकर्स ने फिल्म की भव्य रिलीज़ से दो दिन पहले दूसरा ट्रेलर लॉन्च किया है और इसके साथ एडवांस बुकिंग की शुरुआत भी कर दी है। नया ट्रेलर एक बार फिर इस मेगा स्पेक्टेकल के लिए चर्चा और उत्साह को नई ऊंचाई पर पहुंचा रहा है। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत की जा रही है। नए ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, रोमांच पैदा करने वाले दृश्य, आध्यात्मिकता, पौराणिक नाटक, भावनाओं के साथ सुधीर बाबू का इंटेंस लुक देखने को मिल रहा है, वहीं सोनाक्षी सिन्हा का धना पिशाची अवतार दर्शकों को चौंका रहा है। ट्रेलर यह दिखाता है कि फिल्म का पैमाना कितना भव्य और विशाल है, जिससे साफ झलकता है कि मेकर्स ने इसे सच्चे मायनों में एक बिग स्क्रीन एंटरटेनर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और ट्रेलर का हर फ्रेम यह बात चीख-चीख कर बता रहा है। फिल्म के मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू ने कहा, ''जटाधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक अनुभव है जो कल्पना से भी परे है। जिस पैमाने, दृष्टि और प्रामाणिकता से पूरी टीम ने इस दुनिया को बनाया है, वह असाधारण है। हर फ्रेम में एक जीवंत ऊर्जा महसूस होती है। एक अभिनेता के रूप में इस तरह की आध्यात्मिक और भव्य फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए परिवर्तनकारी रहा है। मुझे यकीन है यह फिल्म दर्शकों को भक्ति और नियति की शक्ति बड़े पर्दे पर महसूस कराएगी। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित जटाधर में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक्शन से भरपूर महाकाव्य भारतीय पौराणिकता को आधुनिक दृश्यात्मकता से जोड़ता है और 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।





हॉलीवुड की बेहद खूबसूरत अभिनेत्री जिसने झेला जीवन का सबसे बड़ा दुख

कभी-कभी चमकदार मुस्कान के पीछे सबसे गहरी उदासी छिपी होती है। हॉलीवुड की अभिनेत्री जीन टियरनी इसका सटीक उदाहरण हैं। वह सितारा जिसे 1940 के दशक में 'हॉलीवुड की सबसे खूबसूरत महिला' का खिताब मिला, लेकिन उनकी निजी जिंदगी एक दर्दनाक कहानी बनकर रह गई। जीन टियरनी का जन्म 19 नवंबर 1920 को ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में हुआ था। बचपन से ही उनकी अदाएं और खूबसूरत आंखें आकर्षण का केंद्र रहीं। 1940 के दशक में उन्होंने फिल्मों में कदम रखा और जल्दी ही वह उस दौर की सबसे चर्चित अदाकारा बन गईं। उनकी फिल्म लौरा (1944) ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। वह रहस्यमयी सुंदरता का चेहरा बन गईं, एक ऐसी महिला जिसके चेहरे पर शांति थी लेकिन आंखों में रहस्य। इसके बाद 'लीव हर टू हेवन' और 'द गोस्ट एंड मिसेज म्यूर' जैसी फिल्मों ने उन्हें अभिनय के उच्च शिखर पर पहुंचा दिया। लेकिन इस सफलता के पीछे एक ऐसी व्यक्तिगत त्रासदी छिपी थी जिसने उनकी आत्मा को भीतर से झकझोर दिया। साल था 1943 जब जीन गर्भवती थीं। उस समय वे सैनिकों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुईं, जहां एक प्रशंसक उनसे मिलने पहुंची। वह महिला रूबेला संक्रमित थी, लेकिन टियरनी को इसका पता नहीं था। संक्रमण उनके शरीर में फैल गया और कुछ महीनों बाद उनकी बेटी डारिया का जन्म हुआ, एक ऐसी बच्ची जो गंभीर मानसिक और शारीरिक विकलांगता के साथ दुनिया में आई। डॉक्टरों ने बताया कि डारिया कभी सामान्य रूप से सुन या बोल नहीं सकेगी। यह खबर सुन जीन टियरनी के सिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हॉलीवुड की रोशनी के बीच वह हर दिन अपनी बच्ची के दर्द से जूझती रहीं। उनका करियर चलता रहा, लेकिन वे भीतर से टूट चुकी थीं।



➤ खुल गई हर्षवर्धन की किस्मत

'एक दीवाने की दीवानियत' के बाद मिली इस सुपरहिट फ्रैंचाइजी में एंट्री

फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' की सफलता के बाद हर्षवर्धन राणो को जॉन अब्राहम ने अपनी 'फोर्स' फ्रैंचाइजी में शामिल कर लिया है। अभिनेता हर्षवर्धन राणे, जिनकी हालिया फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया, अब 'फोर्स' फ्रैंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं। फिल्म में एंट्री के बाद हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम के लिए एक खास बात लिखी है।

हर्षवर्धन का पोस्ट

हर्षवर्धन ने आज इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में आशीर्वाद लेते हुए एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि जॉन अब्राहम ने उन्हें 'फोर्स' फ्रैंचाइजी को आगे ले जाने के लिए चुना है। हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम और ऊपरवाले का शुक्रिया अदा किया और कहा कि वे शूटिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2026 में शुरू होगी।

मिलाप जावेरी के लिए किया था हालिया पोस्ट

इससे पहले, हर्षवर्धन ने निर्देशक मिलाप जावेरी के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने 'दीवानियत बाय मिलाप जावेरी' नाम की डायरी के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा कि अगर मिलाप उन्हें नई स्क्रिप्ट ऑफर करते हैं, तो वे बिना सोचे साइन कर लेंगे।

साभार एजेंसी